दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 351 | ग्वालियर, 17 अक्टुबर मंगलवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच क्यों नहीं हो पाया सीटों पर समझौता?

देश में इस साल के अंत तक पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इस चुनाव की तारीख के ऐलान के साथ ही सभी पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करना शुरू कर दिया है. 15 अक्टूबर को कांग्रेस ने 3 राज्यों छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी. जिसके बाद अब समाजवादी पार्टी ने भी 9 विधानसभा सीटों पर अपने दूसरे उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है.ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि प्रदेश में कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन कर सकती है. लेकिन, मध्यप्रदेश में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की उम्मीदें कांग्रेस की लिस्ट आते ही खत्म हो गईं. दरअसल कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में उन सात सीटों में से चार पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी, जहां अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी पहले ही लिस्ट में उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है. सपा ने आज फिर नौ और उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है.

इन सीटों पर किया गया उम्मीदवारों का ऐलान-अब दोनों पार्टियों की लिस्ट देखकर तो साफ है कि आम चुनाव के लिए बन रहे 28 विपक्षी दलों के गठबंधन ढ्ढह्लष्ठढ्ढ के दो महत्वपूर्ण घटक कांग्रेस और सपा फिलहाल एमपी के विधानसभा चुनाव में आमने-सामने आ गए हैं. कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जिन चार विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, वे सीट हैं चितरंगी, मेहगांव, भांडेर और राजनगर. पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस को इन चारों सीटों में से सिर्फ चितरंगी में हार का सामना करना प?ा था, चितरंगी को छोड़कर अन्य तीनों सीटों पर कांग्रेस को ही जीत मिली थी. भांडेर- इस विधानसभा सीट पर साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 40 हजार वोट से जीत दर्ज किया था, लेकिन दलबदलने के बाद हुए उपचुनाव में इसी सीट को कांग्रेस ने सिर्फ 161 वोटों से गंवा दिया था, राजनगर- इस सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस लगातार

तीसरी बार जीतने में कामयाब हुई थी, हालांकि, समाजवागी पार्टी के समर्थन भी इस क्षेत्र में कम नहीं हैं. पिछली विधानसभा चुनाव में सपा को इस सीट से 23 हजार से ज्यादा वोट मिले थे.

4 सीटों पर अगले लिस्ट में उम्मीदवार उतार सकती है कांग्रेस -हालांकि ये सच है कि हमारी कांग्रेस नेतृत्व से थोड़ी बहुत बात हुई थी, लेकिन ये सब रविवार को लिस्ट जारी करते ही खत्म हो गया. हम सीटों पर खुद ही मुकाबला करेंगे और अगले साल चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे. इंडियन एक्सप्रेस की इसी रिपोर्ट के अनुसार अखिलेश यादव के करीबी माने जाने वाले समाजवादी पार्टी की तरफ से घोषित चार अन्य सीटों पर अभी कांग्रेस ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारे हैं. लेकिन कांग्रेस सूत्रों की मानें तो इन सीटों पर दो से तीन उम्मीदवारों के बीच जोर आजमाइश चल रही है. अगली लिस्ट में इन पर उम्मीदवारों के नाम भी तय कर लिए जाएंगे. क्यों नहीं हो पाया समझौता- इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के समाजवादी पार्टी चीफ रामायण सिंह पटेल ने कांग्रेस के साथ सपा के गठबंधन पर कहा,कांग्रेस की लिस्ट के साथ दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की सभी संभावनाएं खत्म हो गई हैं. रामायण सिंह पटेल ने आगे कहा, होगा, लेकिन मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव के मैदान में हम अकेले चुनाव उतरेंगे. हमने कांग्रेस नेतृत्व से बातचीत कर उन्हें बताया कि हम 10 सीटें चाहते हैं. लेकिन उन्होंने कम सीटों की पेशकश की. फिर उन्होंने अचानक से हमें बिना बताए बिना इतने सारे उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया. गठबंधन इस एक वरिष्ठ नेता ने भी कांग्रेस को लेकर अपनी नाराजगी जताई है. सपा नेता ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती ही नहीं की बीजेपी हारे. उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी (समाजवादी पार्टी) ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करने से पहले कांग्रेस नेतृत्व के साथ बातचीत की थी, लेकिन लगता है कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए गठबंधन बनाने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं. ऐसा लगता है कि उनका मकसद बीजेपी को नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी को हराना है. उन्होंने कहा आगे कहा कि भले ही लोकसभा चुनाव के लिए हमारा गठबंधन तरह काम नहीं करता.

सपा करेगी दबाव की राजनीति-वरिष्ठ पत्रकार उत्कर्ष सिन्हा ने एबीपी से बात करते हुए कहा, अखिलेश यादव हमेशा ही बड़ा दिल दिखाने की बात करते रहे हैं, लेकिन साथ ही साथ वह दबाव बनाने की राजनीति भी बड़ी अच्छी तरह से करते हैं. उनका हाल ही में दिया हुआ एक बयान देखें तो पाएंगे कि अखिलेश ने कहा था कि उत्तर प्रदेस में वह सीटें बांटेंगे, मांगेंगे नहीं. तो, वह यहां अपना अपर हैंड पहले से ही रख रहे हैं. इसीलिए, जब-जब विपक्ष की तरफ से कांग्रेस और आरएलडी अपनी मांग रखती है, जैसे आरएलडी ने 15 सीटें मांगी और कांग्रेस ने 30 सीटें मांगी. अभी कल इस बात की चर्चा थी. तो, समाजवादी पार्टी के लोगों ने कहा कि 30 सीटों पर लड़नेवाले लोगों के नाम दे दें. अखिलेश कह रहे हैं कि गठबंधन की लड़ाई है, वह बड़ा दिल दिखाएंगे और बाकी सब कुछ, लेकिन वह अपने लीडरशिप और अपने प्रभाव से समझौता करने के मूड में नहीं हैं.

जिन्होंने मेरी सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा था उन्हें जनता.., सीएम गहलोत ने किसके लिए कही ये बात?

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को मीडिया से बातचीत की. बातचीत के दौरान कहा कि उनकी सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में काम में कोई कोताही नहीं बरती है, जिसकी वजह से जनता ने राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार 'रिपीट' करने का मन बना लिया है.सीएम गहलोत ने एयरपोर्ट पर बातचीत में कहा कि उनकी सरकार ने पानी, बिजली, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रमुखता से काम किया है. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने डेढ़ लाख किलोमीटर लंबी सड़कें

बनवाई हैं और वह तीन लाख नौकरियां दे रही है.इस बार कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी- गहलोत अशोक गहलोत ने कहा, 'मैं समझता हूं कि लोगों ने इस बार तय कर रखा है कि कांग्रेस की सरकार रिपीट करनी है. यह मेरा मानना है जो मैं लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर महसूस करता हूं. हमने एक लाख संविदा कर्मियों की नौकरी का रास्ता खोला. पुरानी पेंशन योजना दी जिसकी चर्चा पूरे देश में है. हमने बेहतर प्रशासन दिया है.'

बीजेपी को सबक सिखाएगी जनता- गहलोतइसके अलावा सीएम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद कांग्रेस को मिलेगा और उसकी फिर सरकार बनेगी. राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा तथा मतगणना तीन दिसंबर को होगी. इसके साथ ही गहलोत ने कहा, 'जनता उन तत्वों, बीजेपी के बड़े बड़े नेताओं को चुनाव में सबक सिखाएगी जिन्होंने मेरी सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा था. उस प्रकरण को लेकर जनता का गुस्सा अभी गया नहीं है.'जिन्होंने मेरी सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा था

1 अरब से अधिक की संपति बरामद, चार दिनों में 94 करोड़ रुपये की नकदी जब्त

नई दिल्ली।कर्नाटक, तेलंगाना, दिल्ली और आंध्र प्रदेश स्थित 55 से ज्यादा स्थानों पर ठेकेदारों और रियल एस्टेट डेवलपर्स पर छापेमारी में आयकर विभाग ने करीब 94 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है. सीबीडीटी के अनुसार, इस छापेमारी के दौरान 94 करोड़ रुपये की नकदी और आठ करोड़ रुपये के सोने और हीरे के आभूषण के साथ 30 लग्जरी घड़ियां जब्त की है. तलाशी अभियान 12 अक्टूबर को शुरू किया गया था. इस दौरान विभाग ने बेंगलुरु और पड़ोसी राज्य तेलंगाना के साथ आंध्र प्रदेश के कुछ शहरों संग दिल्ली में 55 परिसरों में भी छापेमारी की है

पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस की रणनीति, क्या यहां खिलेगा कमल?

भाजपा और कांग्रेस पार्टी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है. इसमें तीन राज्य ऐसे हैं जहां दोनों पार्टियां सीधे तौर पर आमने सामने हैं. राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम मे अगले माह होने वाले चुनाव के लिए कांग्रेस और भाजपा के बीच तलवारें खिंच चुकी हैं. इन पांच राज्यों की बात करें तो भाजपा की सिर्फ मध्यप्रदेश में सरकार है.

वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने कमान संभाली हुई है. तेलंगाना की बात करें तो यहां पर भाजपा की धुर विरोधी पार्टी बीआरएस. वहीं मिजोरम में गठबंधन सरकार है. ऐसे में भाजपा के लिए खोने को मात्र मध्य प्रदेश है. वहीं कांग्रेस के लिए राजस्थान और छत्तीसगढ़ है. पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को राजनीतिक विशेषज्ञ अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल बता रहे हैं. राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटें हैं. भाजपा के लिए ये राज्य सबसे अहम है. यहां पर भाजपा ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी.

हिजबुल्लाह का हमास को सपोर्ट करने पर इजरायल ने दी धमकी, लेबनान को कर देंगे बर्बाद

नई दिल्ली। इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध का आज 10वां दिन है. दोनों देशों के बीच छिड़ी भीषण जंग में अभी तक बड़ी संख्या में लोगों की जानें जा चुकी हैं. फिर भी युद्ध रुकने के बजाए और तेज होता जा रहा है. इस बीच युद्ध में हिजबुल्लाह का हमास को समर्थन करने को लेकर लेबनान और इरान को इजरायल और जर्मनी ने नसीहत दी है. इजरायल ने धमकी दी है कि अगर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने हमास का साथ दिया तो इजरायली सेना लेबनान को बर्बाद कर देगी.इधर इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजरायल जाएंगे.

इजरायल उनके स्वागत की तैयारी में लग गया है. इससे पहले आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि हमास के खिलाफ इजरायल की जंग जायज है लेकिन गाजा पर कब्जा करना एक बड़ी गलती होगी.हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल के एक म्यूजिक कंसर्ट पर हमाल कर सैकड़ों लोगों को मौते के घाट उतार दिया था. वहीं, कई लोगों को अपने साथ अगवा कर ले गए. इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजर्ग भी शामिल हैं. इजरायल लगातार हमास के आर्तकियों से बेगुनाह लोगों की छोड़ने की अपील कर रहा है. वहीं, हमास छोड़ने को तैयार नहीं है. इजरायल की ओर से 7 अक्टूबर से अबतक गाजा में 11 फलस्तीनी पत्रकारों की हत्या की

निठारी कांड के मुख्य गवाह ने खोले कई राज, कहा-मानव तस्करी बात पंढेर ने कबूली थी

नोएडा के बहुचर्चित निठारी कांड में सबसे बड़ी अपडेट मिली है. इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. इस फैसले के तहत निठारी कांड के दोनों आरोपी सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर को सुनाई गई फांसी की सजा को रद्द कर दिया गया है. इलाहबाद कोर्ट ने गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट की ओर से सुनाई गई फांसी की सजा के निर्णय को पलट दिया. कोर्ट ने निर्णय सुनाया है कि दोनों ही आरोपियों को फांसी नहीं दी जाएगी. इसके साथ ही उच्च अदालत ने इस मामले को लेकर दोनों आरोपियों को बरी कर दिया है. इस बीच निठारी कांड से जुड़े मुख्य गवाह सतीश चंद मिश्रा ने कई राज खोले हैं. उन्होंने हत्या से जुड़े कई

अहम जानकारियां सामने रखी हैं. उन्होंने खुलासा किया कि घर के अंदर से महिलाओं और बच्चियों के कपड़े मिले थे. इसके साथ अंग काटने वाले ब्लेड भी बरामद किए गए थे. सतीश चंद मिश्रा ने बताया कि पंढेर ने मानव अंग तस्करी की बात काबुली थी. उन्होंने बताया था कि पंढेर महिलाओं और बच्चियों का रेप भी करता था. इलाहाबाद कोर्ट में करीब 20 परिवारों की गवाही हुई थी. मामले से जुड़े सभी सबूत पेश किये गए थे.

14 अर्जियों पर अपना निर्णय सोमवार को सुनाया-आपको बता दें कि कोर्ट ने सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर की 14 अर्जियों पर अपना निर्णय सोमवार को सुनाया है. इसके तहत कोली को कुल 12 केस में दोषी ठहराया गया था. इससे उसे बरी कर दिया गया. वहीं मनिंदर सिंह पंढेर को दो मामलों में सजा मिली थी. इस दौरान सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अपने फैसले में दोनों ही दोषियों को बरी कर दिया.

लोकल ट्रेन में लगी आग, धू-धू कर जली कई बोगियां

महाराष्ट्र से बड़ी खबर सामने आई है. यहां न्यू आष्टी से अहमदनगर जा रही एक लोकल ट्रेन में अचानक आग लग गई. इस हादसे में ट्रेन के पांच डिब्बे धू-धू के जल उठे. डिब्बों से आग की लपटें और धुएं का गुबार उठता देख यात्रियों की चीख निकल गई और भगदड़ मच गई. हालांकि ट्रेन में आग फैलने से पहले सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने बामुश्किल आग पर काबू पाया. जानकारी के अनुसार हादसा दोपहर तीन

बजे के आसपास नारायणदोह और अहमदनगर सेक्शन के बीच हुई.गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है. क्योंकि ट्रेन में आग फैलने से पहले ही आग पर काबू पा लिया गया, इसलिए सभी यात्री सुरक्षित हैं. सीपीआरओ मध्य रेलवे ने जानकारी देते हुए बताया कि अहमदनगर और नारायणपुर स्टेशनों के बीच दोपहर 3 बजे 8 डिब्बों वाली डेमू ट्रेन के 5 डिब्बों में आग लग गई. किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं है. आग लगने पर सभी यात्री ट्रेन से उतर गए थे। जलते डिब्बों के अंदर कोई भी व्यक्ति नहीं फंसा. रेलवे अधिकारियों द्वारा अग्निशामकों को बुलाया गया.

राजनांदगांव में गरजे गृहमंत्री शाह, कहा- छत्तीसगढ़ का पैसा कांग्रेस के दिल्ली दरबार की तिजोरी में जाता

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सियासी सरगर्मियां तेज हो चली है. भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आने के लिए तूफानी प्रचार प्रसार कर रही है. इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज राजनांदगांव पहुंचे और पार्टी प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए. नामांकन से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्टेट स्कूल मैदान में 'परिवर्तन संकल्प महासभा को संबोधित किया. इस दौरान अमित शाह ने मुख्यमंत्री पर

निशाना साधते हुए कहा कि भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस के दरबार का बनाया है.भाजपा की 'परिवर्तन संकल्प महासभा' को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ÷हमने छत्तीसगढ़ को विकसित बनाने के लिए ढेर सारे काम किए हैं. भूपेश बघेल आपने 5 साल में यहां पर क्या किया? मुझे मालूम है आप विकास का हिसाब-किताब नहीं करते हो. आने वाला चुनाव एक सरकार बनाने का चुनाव नहीं, आने वाला चुनाव विधायक को चुनने का नहीं है बल्कि आने वाला चुनाव पीएम मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भविष्य वाले छत्तीसगढ़ बनाने का चुनाव है.÷ केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने मुख्यमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस के दरबार का झूरूबना रखा है. छत्तीसगढ़ के आदिवासी युवाओं के अधिकार का पैसा, दलितों के अधिकार का पैसा और पिछड़े वर्ग के युवाओं के अधिकार का पैसा भी कांग्रेस के दिल्ली दरबार की तिजोरी में जाता है.

मतदाता जागरूकता कैलेण्डर के अनुसार गतिविधियाँ जारी

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाली गई

पुष्पेंद्र सिंह ब्यूरो (चीफ मऊगंज)

मऊगंज। विधानसभा निर्वाचन 2023 के सिलसिले में रीवा एवं मऊगंज जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता स्वीप के कैलेण्डर के अनुसार जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी मतदान केन्द्रों में बूथ अवेयरनेस ग्रुप का गठन किया गया है। इसी प्रकार गत लोकसभा निर्वाचन 20219 में 50 प्रतिशत से कम मतदान वाले केन्द्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न खेल एवं रंगोली, क्विज, पेंटिंग व निबंध आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही रीवा एवं मऊगंज में सभी महाविद्यालयों में मतदाता कैम्पस एम्बेसडर की नियुक्ति की गई है। मतदान के लिये जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता शपथ भी दिलाई जा रही है। मऊगंज जिले के एसडीएम बीके पाण्डेय ने ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक किया। आगामी 17 अक्टूबर को स्थानीय जलसा गार्डन में मतदाता जागरूकता पर आधारित गरबा उत्सव का आयोजन शाम 5 बजे से किया गया है। इसी क्रम में 19 अक्टूबर को नगरीय निकायों में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा तथा नगर निगम क्षेत्र में स्वीप प्रेक्षक के उपस्थिति में मतदाता रैली निकाली जायेगी।

पैंटियम प्वाइंट गुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में विश्व छात्र दिवस का आयोजन

पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी
संभागीय ब्यूरो

रीवा। शहर में स्थित पैंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के करहिया परिसर में स्थित पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ लॉ) में विश्व छात्र दिवस के अवसर पर बृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया । दिवंगत एयरोस्पेस वैज्ञानिक, शिक्षक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के उपलक्ष्य में, प्रत्येक वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस मनाया जाता है। उसी संदर्भ में पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ लॉ) आज बृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अरुण कुमार सिंह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सागर, मध्य प्रदेश बार काउंसलिंग के सदस्य, तथा रीवा जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता अखंड प्रताप सिंह, महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी, शैक्षणिक संचालक एसके त्रिपाठी, पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला, पैंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ़ लॉ)के प्राचार्य डॉ प्रकाश नारायण मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी वीरेंद्र पाण्डेय,वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ समाज सेविका विमलेश मिश्रा हीरालाल त्रिपाठी मुख्य रुप से उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर इस कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई, महा विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों को पे? तथा बुके भेंट कर स्वागत किया। आज के इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित अरुण कुमार सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा गया की असफलता में आपको निराश नहीं होना है

सफलता के लिए आपको पुनः प्रयास करना है, समाज में आज के युवाओं को भगवान श्री राम के आचरण का अनुसरण करते हुए एक अच्छे नागरिक के रूप में अपना स्थान बनाना है। साथ है विधि के छात्रों को संबोधित करते हुए विधि के क्षेत्र में भविष्य तथा विधि के क्षेत्र में सफल होने के प्रयोजनों को भी बताया। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ,अखंड प्रताप सिंह द्वारा विश्व परिदृश्य में भारत की स्थिति, तथा छात्र-छात्राओं को सफलता के लिए किस तरीके से प्रयास करना है, सामाजिक तथा आर्थिक परिदृश्य के कई महत्वपूर्ण विषयों पर छात्राओं को अवगत कराया। विधि महाविद्यालय द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट परिसर का भ्रमण किया गया जिसके अंतर्गत अतिथियों द्वारा मूट कोर्ट, लाइब्रेरी, इ-लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब भ्रमण करने की बात अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि पैंटियम प्वाइंट कॉलेज आफ लॉ, लॉ की प?ई के लिए विंध्य क्षेत्र में एक नई रोशनी के साथ ही भविष्य के लिए लॉ के छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी द्वारा किया गया। महाविद्यालय परिवार की तरफ से धन्यवाद भी ज्ञापित किया। आज के इस कार्यक्रम का सफल संचालन विधि विभाग से विधि संभलकर द्वारा किया गया। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पैंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन से मनोज कुमार गुप्ता, जितेंद्र सिंह परिहार,आशुतोष गुप्ता डॉ सविता शुक्ला, डॉ अर्चना पटेल,रत्नेश मोहन मिश्रा,दीपक शुक्ला आदि प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक तथा महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रीवा में यातायात पुलिस की बड़ी कार्यवाही नेता, अधिकारियों के गाड़ी से निकाले नेम प्लेट

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। आदर्श आचार संहिता के प्रभावशील होते ही पुलिस प्रशासन अपने रौब में आ जाता है। इसी कड़ी में आज यातायात डीएसपी मनोज शर्मा ने वाहनों में लगे हूटर, नेताओं की गाड़ी नंबर में पदनाम सहित न सिर्फ गाड़ी से नंबर प्लेट निकलवाए बल्कि चालानी कार्रवाई भी की।

नौवस्ता पुलिस की कार्यवाही से खनिज माफिया बौखलाए चौकी प्रभारी को पद पावर की धौंस दिखा कर दबाव बनाने का कर रहे हैं प्रयास

नौवस्ता चौकी क्षेत्र में खनिज माफियाओं का रहा है बोल बाला नवागत चौकी प्रभारी की कार्यवाही से खनिज माफियाओं में मचा हड़कंप

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार रीवा जिले के नौवस्ता चौकी क्षेत्र में खनिज माफियाओं का एक तरफा दबदबा रहा था जिससे पत्थर गिट्टी की अवैध परिवहन लगा तार चल रहा था वही खनिज माफिया अपने पद पावर की धौंस के दम पर पुलिस पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन जबसे नवागत चौकी प्रभारी अंकिता मिश्रा के एंट्री हुई है तब से कार्यवाही का सिलसिला एक बार फिर से शुरू हो गया जिससे खनिज माफिया पूरी तरह से परेशान हैं आपको बता दे कि विगत कुछ दिनों पहले पत्थर की चोरी करते 4 ट्रैक्टरों पर चौकी प्रभारी अंकिता मिश्रा ने ताबड़तोड़ कार्यवाही की थी जिसमे खनिज अधिनियम के साथ साथ चोरी की भी धारा लगाई थी जिससे खनिज माफिया में एक बौखलाहट सी पैदा हो गई है वही खनिज माफिया उनको बदनाम करने का तरह तरह के प्रयास करने में लगे हुए हैं खनिज माफियाओं पर पुलिसिया कार्यवाही से एक भय का माहौल व्याप्त है।

गुढ़ थाना में अयोजित हुई शान्ति समित की बैठक

नवरात्रि और आगमी त्यौहार और दुर्गा विसर्जन हेतु अयोजित की गई बैठक

पुष्पांजली टुडे रीवा

गुढ़।आगामी दुर्गा विसर्जन को लेकर गुढ़ थाने में शान्ति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें थाना क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे वहीं गुढ़ थाना प्रभारी विकास कपीस ने क्षेत्र के लोगो से व्यवस्था को लेकर चर्चा किया वही थाना प्रभारी ने कहा है मूर्ति विसर्जन को लेकर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी वही आप सभी लोग बड़े शान्ति से मूर्ति विसर्जन करे नशा करके मूर्ति को प्रवाहित न करें वही

व्यवस्था को लेकर प्रशासन का सहयोग करें वही असामाजिक तत्वों पर भी नजर बना कर रखने की बात कही तथा घाट में मूर्ति विसर्जन के लिए कम से कम संख्या में लोग घाट के पास जाए इस पर नजर रहेगी।

इस मौके पर प्रमुख रूप से- सुकर्मणि तिवारी, कपूर चंद सोनी, शिवेश चतुर्वेदी,विकास तिवारी, विवेक पाण्डे, टीपू खान, ओपी गुप्ता, राजवीर गुप्ता, गंगा गुप्ता, कमल गुप्ता, प्रांजल गुप्ता सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव की प्रतिमा पर कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह व बविता साकेत ने किया माल्यार्पण

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। 15 अक्टूबर को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी माह 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को मद्दे नजर रखते हुए 144 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई, जिसमें रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस पार्टी ने कुंवर कपिध्वज सिंह पर भरोसा जताया और उन्हें गुढ़ से कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया, गुढ़ के अलावा पार्टी ने रीवा जिले की मऊगंज सीट से पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना को अपना प्रत्याशी बनाया है साथ ही त्योंथर से रमाशंकर सिंह पटेल, समेत एससी के लिए आरक्षित सीट मनगंवा से बविता साकेत को प्रत्याशी बनाया गया है, कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची बाहर आते ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश और जुनून देखते ही बन रहा था.

सीट की घोषणा के बाद डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण- भारतीय संविधान के पुजारी डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित है जहां पर पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह ने संविधान निर्माता की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया और कहा की डॉक्टर साहब के बने हुए संविधान पर आज हम और हमारा देश गर्व करता है और इस संविधान से हमारा पूरा देश चल रहा है वर्तमान की सरकार हमारे देश किस संविधान को भी समाप्त करने का कार्य कर रही है।

वृंदावन गार्डन में आयोजित काशीराम की 17 वीं पुण्यतिथि पर संपन्न हुआ पखवाड़ा कार्यक्रम-अनुसूचित जाति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होने वाली मान्यवर काशीराम साहब के 17 वें परनिर्वाण दिवस पखवाड़ा को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत डॉ भीमराव अंबेडकर एवं काशीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब ने की, जो कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे, श्री सिंह ने अनुसूचित जाति के भाइयों से मेल मुलाकात करते हुए उनकी सप्रेम भेंट सभा को संबोधित किया, इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर कुंवर कपिध्वज सिंह भइया साहब के अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्यामलाल वर्मा, जनपद सदस्य स्मिता सहगल, संतोष साकेत, राम दयाल चौरसिया, आरके वर्मा, राजा चौधरी, केपी सहगल, आरके चौधरी, रविंदर चौधरी, रमाशंकर चौधरी, समेत बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति के सम्मानित सदस्य भी उपस्थित रहे।

बैकुंठपुर में होंडा के शोरूम का हुआ भव्य शुभारंभ

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा।जिले के बैकुंठपुर में हुआ होंडा के शोरूम का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में रीवा राजघराने के महाराज पुष्पराज सिंह उपस्थित रहे साथ ही होंडा कंपनी के जोनल इंचार्ज हिमांशु जैन और अविरल श्रीवास्तव की उपस्थिति भी रही होंडा से से मुख्य रूप से रीवा मां होंडा के डायरेक्टर अमित कोहली और मोहित टंडन भी उपस्थित रहे बैकुंठपुर होंडा के संचालक निपेंद्र सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा की कस्टमर को पूर्ण रूप से संतुष्ट करना ही हमारी कंपनी का मुख्य उद्देश्य है हम चाहते हैं कि जिस तरह सरलता से शहरों में वहां के वाहनों को उपलब्धता एवं उनके सर्विस आसानी से हो जाती है इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी हम वही सुविधा दे सकें एवं ग्राहक को पूर्ण रूप से संतुष्ट करते हुए सभी प्रकार की सेवाएं इन ग्रामीण अंचलों में भी उपलब्ध कर सकें हमारे यहां नई गाड़ियों के साथ उनकी सर्विस सेंटर की भी व्यवस्था की गई है जिससे कस्टमर को अब दूर रीवा तक नहीं जाना पड़ेगा ज्ञात हो की बैकुंठपुर होंडा विगत कई वर्षों से क्षेत्र में विश्वास का नाम बना हुआ है एवं अपनी सेवाएं दे रहा है परंतु होंडा ने अब जाकर उसे अपने अधीनस्थ किया है कंपनी के संचालक ने सभी को अपना भरोसा दिया है एवं उचित गुणवत्ता एवं अच्छी सर्विस का वादा भी किया है अब देखना यह होगा की पूर्व की भांति कंपनी अपना कार्य आगे जारी रख सकती है या ग्राहकों की संतुष्ट को और ऊंचाइयों तक ले जाती है अब किसी को भी कोई नई गाड़ी खरीदने के लिए रीवा या अन्य शहरों तक जाने की आवश्यकता नहीं है होंडा के सभी वहां बैकुंठपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्र में भी उपलब्ध रहेंगे कंपनी के संचालक मनीष सिंह ने कंपनी के उत्पादों पर भरोसा जताते हुए कहा कि हमारे यहां से अगर कोई वहां लेता है तो वह कभी असंतुष्ट होकर वापस नहीं आएगा हम उसे अपनी सभी सेवाओं के साथ अच्छी सर्विस भी उपलब्ध करवाएंगे।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट कंपनी बघवार द्वारा किया जा रहा है सुरक्षा नियमों का उल्लंघन

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

सतना। अल्ट्राटेक कंपनी के द्वार खनन एवं सुरक्षा का पालन नहीं किया जा रहा अल्ट्राटेक कंपनी माइंस अरगट कोठार के नाम से संचालित है जहां आए एक्सीडेंट होते रहेते माइंस में बाउंड्री ना होने के कारण सभी जानवर पानी पीने माइंस में जाते हैं एक्सीडेंट होने तथा पैर फिसलने का खतरा हमेशा बना रहता है जिस कारण गाय बेल भेस बकरी का आए दिन एक्सीडेंट होता रहता है वहीं पर आए दिन उनकी मौत हो जाती है माइंस पूरी तरह से अवैध रूप से संचालित है वही ग्राम पंचायत जिगना सरपंच द्वारा लेटर देकर ग्राम पंचायत जिगना की एनओसी की जानकारी मांगी गई तो कंपनी द्वारा माना कर दिया गया वही माइंस मैनेजर भारत गोखरे के दुरा एसडीएम और कलेक्टर का नाम बताकर पल्ला झाड़ दिया जाता है माइंस मैनेजर भारत गोखेर द्वारा बोला जाता है जो भी आप को जानकारी चाहिए वह आप एसडीएम और कलेक्टर साहब से लीजिए कि आप वही से एनओसी की जानकारी मिलेगी कई बार ग्राम पंचायत जिगना द्वारा कंपनी में नोटिस दी गई परंतु माइंस मैनेजर भारत गोखरे जी द्वारा लेटर लेने से मना कर दिया गया उनके द्वारा बोला गया कि यह लेटर आप एसडीएम और कलेक्टर ऑफिस में दी दीजिए वहीं से एनओसी की जानकारी दी जाएगी वहीं पिछले 10 साल से सरपंच होने के बाद भी कंपनी दूरा एक बार भी एनओसी नहीं ली गई अरगट कोठार में माइंस होने के कारण जिगना बीच चौराहे से ओवरलोड ट्रक निकलते है कई बार बीच चौराहे में एक्सीडेंट हुआ और जब कंपनी में जानकारी दी जाती है तो कंपनी छोटे मोटे ठेकेदारों का नाम बता कर पल्ला झाड़ दिया जाता है ट्रक के दुरा कई बार एक्सीडेंट हुआ जिसकी जानकारी कंपनी के पास भी है कई बार माइंस में जो एक्सीडेंट हुआ और वहीं दफना दिया जाता है गाय बैलों का पता नहीं चलता माइंस में बाउंड्री ना होने के कारण आए दिन एक्सीडेंट होते ही रहते हैं अभी 10 दिन पहले ही हिनौती माइंस में बाउंड्री ना होने के कारण एक मजदूर की जान चली गई कंपनी द्वारा जमीन लेते समय कई सारे एग्रीमेंट किए थे की ग्राम पंचायत तो जिगना को गोद लिया जाए गा पानी की कोई समस्या नहीं रोड आरसीसी रोड बनाया जाएगा सौर ऊर्जा लाइट हर 10 घर के बीच में रहेगी कंपनी द्वारा जमीन लेते समय जमीन के मालिकों को अच्छी नौकरी अच्छा पैसा देने का वादा किया गया परंतु जमीन लेकर उनको ?5000 की मजदूरी करा रहे हैं कई मजदूरों की जमीन भी चली गई और उनका काम भी नहीं मिला और किसी को कम मिला तो पेमेंट 5000 मिली कंपनी द्वारा लालच का लोभ देकर किसानों की जमीन लूट ली गई वहीं ग्राम पंचायत योजना द्वारा कई बार नोटिस दी गई पर नोटिस का जवाब नहीं आया ग्राम पंचायत जिगना सरपंच का कहना है की ना तो ग्राम पंचायत से एनओसी ली गई और ना ही ग्राम पंचायत जिगना में कोई जानकारी दी गई वहीं जिगना कोठार में पत्थर का खनन जोर से हो रहा है किस आधार पर हो रहा है ग्राम पंचायत जिगना कोठार के राजस्व को अरगट कोठार नाम दिया जा रहा इसकी की पूरी जानकारी ग्राम पंचायत जिगना सरपंच को प्रदान की जाए अन्यथा कंपनी के जितने भी ट्रक निकलते हैं उनको पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाएगा

17 वर्षों से फरार 5 हजार रुपये का स्थाई वारंटी उमरी पुलिस की गिरफ्त में

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक असित यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक तथा पुलिस अधीक्षक मुख्यालय संजय सिंह के मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव को निर्विघ्न रूप में संपन्न कराने हेतु जिले में फरारी, इनामी आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही भिंड पुलिस द्वारा की जा रही है, इसी कड़ी में आज दिनांक को थाना उमरी पुलिस द्वारा 17 वर्ष से फरार 5 हजार रुपये के एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है।न्यायालय जेएमएफसी भिंड के प्रकरण क्रमांक 380 / 2006 धारा 13 जुआ एक्ट में थाना देहात से फरार था स्थाई वारंटी आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था । दिनांक 16/10/23 को मुखबिर की सूचना पर थाना उमरी पुलिस द्वारा स्थाई वारंटी विनोद पुत्र प्रताप सिंह राजावत उम्र 45 साल निवासी ग्राम नुन्हाटा हाल निवासी दुर्गा नगर भिंडको दुर्गा कॉलोनी भिंड से गिरफ्तार किया गया है ।उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी उमरी निरीक्षक रविंद्र शर्मा प्रधान आरक्षक आशीष तिवारी,आरक्षक धर्मपाल सिंह परिहार,अमित बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदौरिया ने अध्यक्ष पद से दिया त्यागपत्र

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहंगाव में राहुल भदौरिया को टिकट देने से है नाराज

भिण्ड । जिला किसान कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदौरिया ने अपने निवास पर प्रेस वार्ता कर अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस संगठन में आजीवन और कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में अपना पूरा जीवन समर्पित किया सदेव संगठन की रीति और नीति को आगे बढ़ाया जीवन भर डूबती कांग्रेस पर सवार रहे हैं,चूकी पार्टी ने मेरी 35 वर्षो की मेहनत को दरकिनार करते हुए एक ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया जिसने अपनी पटवारी की नौकरी से इस्तीफा देकर टिकट लिया जिन्होंने गत वर्षों में कांग्रेस मैं कभी काम नही किया चूकी कांग्रेस प्रत्याशी राहुल भदौरिया विधानसभा नेता प्रतिपक्ष के भांजे है,बस यही इनकी पहचान है।इससे स्पष्ट होता है कि अब कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की कोई पूछ परख नहीं है, बल्कि परिवारवाद को ब?ावा दिया जा रहा है। में ऐसे अयोग्य व्यक्ति के लिए प्रचार करना मेरे स्वाभिमान के साथ न्याय नहीं है,तथा टिकट वितरण में मेहगांव क्षेत्र के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता को देखते हुए वह जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देते है, श्री भदौरिया ने कहा कि वह एक साधारण कार्यकर्ता की हैसियत से कार्य करते रहूंगे क्योंकि मैं एक कांग्रेस परिवार का कार्यकर्ता हूं और कांग्रेस का साधारण कार्यकर्ता की हैसियत से प्रचार और प्रसार करते रहेंगे।

खरगोन जिले के नवागत कलेक्टर द्वारा लि गई प्रेसवार्ता

खरगोन जिले से मुन्ना खान

पुष्पांजलि टुडे

आज सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नवागत कलेक्टर कर्मवीर सिंह शर्मा द्वारा प्रेसवार्ता रखी गई सभी पत्रकारों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराई गई नवागत कलेक्टर कर्मवीर सिंह शर्मा ने बताया अभी आचार संहिता लागू हैं हम ओर आप को इस दायरे में रहकर काम करना है ऐसी कोई भी बात हो तो मुझे बताना मेरा मोबाइल नंबर आप सबके पास है चाहे जब आप मुझे मोबाइल कर लेना आप का काल उठा लुगा मेरे से चाहे जब बात कर सकते हो आप अगर काम है तो नहीं तो मेसेज के माध्यम से भी मुझे बता सकते हो अपना अपना पर्व त्यौहार अच्छी तरह मनाये आचार संहिता के दायरे में रहकर हम आप को काम करना है कलेक्टर ने सभी पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपना अपना परिचय बताने के लिए कहा सभी पत्रकारों ने अपना अपना परिचय दिया गया वरिष्ठ पत्रकार मनोज रघुवंशी द्वारा नवागत कलेक्टर कर्मवीर सिंह शर्मा को कायाकल्प योजना से बनने वाला मार्ग नवग्रह मंदिर से जुलवानिया नाके तक मार्ग निर्माण कार्य बन्द पड़ा हुआ है इसको लेकर कलेक्टर को अवगत कराया गया कलेक्टर ने कहा गया ठिक है आप के माध्यम से मेरे संज्ञान में आया है मैं दिखवाता हु

खो-खो गुजरात की टीम राष्ट्रीय खो खो खेल दिल्ली में खेलेगी

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात सचिवालय की टीम खो खो खेल दिनांक 16-10-2023 राष्ट्रीय खो खो खेल दिल्ली में अखिल भारतीय सिविल सेवा में खेला जाएगा, गुजरात की टीम 19-10-2023 तक खेलेगी। कप्तान की भूमिका श्री ए. एम. चौहान, वी. कैप्टन श्री हितेश भाई कुनाडिया, श्री राजेंद्रभाई चौधरी, श्री भागाभाई तराल, श्री सुरेश भाई, श्री दिनेश भाई, श्री अलुत झाला, श्री विश्वजीत, श्री देवानंद चंद्रवाडिया श्री जोनिंग , श्री कनु भाई, टीम सिविल सर्विस ऑफ़ गुजरात के लिए खेलेंगे

आओ मिलकर अलख जगाएं, शत-प्रतिशत मतदान कराएं

दैनिक पुष्पांजली टुडे

वोट हमारा है अधिकार, इसे करें न बेकार

भिण्ड । विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार जिले में मतदान प्रतिशत बड़ाने के लिए स्वीप प्लान के अंतर्गत गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।जिले के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेंहदी, रंगोली, स्लोगन, गीत, लोकल गायन के साथ प्रतियोगिता के माध्यम से मतदान का महत्व और जानकारी दी जा रही है। साथ ही मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिले की सभी विधानसभाओं में ग्राम पंचायत एवं आंगनबाड़ी स्तर पर जागरूकता रैली के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा हैस्वीप गतिविधियों में अधिक से अधिक मतदान कराने और परिवार के लोगों को मतदान के लिये प्रेरित करें जिससे लोकतंत्र मजबूत होगा की समझाईश दी जा रही है। जिसमें महिला बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा मतदान को बड़ावा देने के लिए महिलाओं को मतदान के महत्व और मताधिकार के उपयोग हेतु 'आओ मिलकर अलख जगाएं, शत-प्रतिशत मतदान कराएं' वोट हमारा है अधिकार, इसे करें न बेकार आदि' स्लोगन लिखी रांगोली एवं हाथों में मेहंदी बनाकर महिला मतदाताओं को जागरूक किया गया।

डॉ. सुनील परीट को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सम्मान

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु - श्री वेनिशेट्टी जगदीश्वरय्य सेवा समिति वरंगल तेलंगना द्वारा 15 अक्टूबर 2023 के दिन डॉ. सुनील परीट को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम एक्सीलेंस टीचर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। वरंगल के प्रतिष्ठित होटल अरोमा के बैंक्विट हाल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, कार्यक्रम के अध्यक्ष देवेंद्र रेड्डी हाई कोर्ट के सर्किट जज ने अपने भक्तों में कहा कि जिस तरह डॉ परीट ने कर्नाटक दक्षिण भारत में रहते हुए भी हिंदी का प्रचार प्रसार कर रहे हैं वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। संस्था के संस्थापक वेनिशेट्टी रविकुमार ने कहा कि हम भारत के विविध राज्यों से श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित करते हैं और इस बार हमें यह सौभाग्य मिला है कि कर्नाटक से डॉ परीट को सम्मानित कर रहे हैं। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता अनुराधा , तेलुगु साहित्यकारा एवं एनजीओ कार्यकर्ता सत्यवीणा एम., अरोमा होटल के मालिक रमन, पुलिस अधिकारी, नगर निगम के अधिकारी आदि उपस्थित थे। तेलंगना के बेस्ट टीचर अवार्डी रमेश ने कार्यक्रम का संचालन किया, और रवि कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र एवं फेटा पहनकर परीट को सम्मानित किया गया। आपको ज्ञात होगा डॉ सुनील परीट 2022 में कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक राज्य आदर्श शिक्षक पुरस्कार से प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अभिनंदन पत्र प्राप्त हुआ है। लगातार 20 सालों से सरकारी हाई स्कूल माविनकट्टी, जिला बेलगांव में वरिष्ठ हिंदी अध्यापक के रूप में एवं हिंदी की प्रचार प्रसार में कार्यरत हैं।

मतदाता को शपथ दिलाकर मतदान के लिए प्रेरित किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा निर्वाचन-2023 में जिले के शत-प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में स्वीप गतिविधियों के तहत् जिले भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें।

जिले की विधानसभा लहार, मेहगांव एवं भिण्ड में महिलाओं को मताधिकार का महत्व बताकर नैतिक मतदान की शपथ दिलाई गई।

मंगल जीवन परिवार ट्रस्ट, सेद्राणा, सिद्धपुर मे श्राद्ध पक्ष पितृ अमावस्या पे हेरीटेज कराओके गृह, पाटणने एक संगीत संध्या का आयोजन किया

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात। हेरिटेज कराओके ग्रुप, पाटन ने सेद्राणा, सिद्धपुर में श्राद्ध पक्ष सर्व पितृ अमावस्या के उपलक्ष्य मे पाटन की प्रसिद्ध संगीत संस्था हेरिटेज कराओके ग्रुप ने शनिवार को संगीत से सेवा और अंगदान ही महादान के मंत्र को समर्पित संगठन के गायकों और प्रशासकों के एक समूह ने सिद्धपुर के सेद्राणा में मंगल जीवन परिवार ट्रस्ट संचालित वृद्धाश्रम एवम् अनाथालय में पुराने, नए हिंदी के साथ-साथ गुजराती गीतों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में मंगल जीवन परिवार के विशाल हरे-भरे परिसर में संस्था में रहने वाले बुजुर्गों, बच्चे और संस्था के सहयोगियों सहित बड़ी संख्या में श्रोता शामिल हुए। संगीत कार्यक्रम के बाद डॉ. बाबूभाई जी. पटेल, गणेश ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल, पाटन और डॉ. नितिनभाई छत्रलिया, पाटन के सहयोग से, आश्रम के सभी बच्चों को स्कूल बैग, किताबें, कंपास बॉक्स, बॉल पेन और पेंसिल सहित शैक्षिक किट दिए गए और आश्रम के बुजुर्गों को जीवन की आवश्यक चीजो की कीट दि गई। वहीं हेरिटेज कराओके ग्रुप के निदेशक संजय भाई खमार ने कार्यक्रम में आए सभी श्रोताओं एवम् संस्थामे रहने वाले सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सारी व्यवस्थाएं व्यवस्थापक श्री मनीषाबेन सथवारा, जीतेन्द्र भाई सथवारा एवं संस्था के ट्रस्टी द्वारापटेल चिमनभाई ने की। कार्यक्रम को खास बनाने के लिए विसनगर से वीनस वोकल्स ग्रुप के हरेशभाई प्रजापति, दीपकभाई ने भी अपनी प्रस्तुति दी। मंगलजीवन ट्रस्ट के विशेष आर्थिक सहयोगकर्ता श्री. नवीनभाई, श्री ए. डी मोमिन साहब विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने संस्थान के साथ-साथ हेरिटेज कराओके ग्रुप की संगीत संध्या का आर्थिक रूप से समर्थन किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के दूरदर्शी एवं मुल संस्थापक डॉ. देव योगी साहब को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

दिव्यांग तथा 80 वर्ष से अधिक मतदाताओं को फॉर्म 12 डी सुविधा के विकल्प की सूचना देना सुनिश्चित करे : एसडीएम

विधानसभा क्षेत्र 26 पिछोर के सेक्टर ऑफीसर तथा बीएलओ की बैठक के दौरान दिए आवश्यक निर्देश

राकेश परिहार पिछोर

9691338626

पिछोर (शिवपुरी) जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन पर विधानसभा क्षेत्र26 पिछोर के समस्त 297 बूथ लेवल ऑफीसर तथा 31सेक्टर ऑफीसर की निर्वाचन संबंधी बैठक सरस्वती शिशु मंदिर पिछोर में की गई। जिसमें पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी राजीव समाधिया , शिवपुरी से डिप्टी कलेक्टर तथा निर्वाचन एनएलएमटी व्रजेंद्र सिंह यादव, पिछोर निर्वाचन सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा तहसीलदार एस.एस.गुर्जर, पिछोर नायब तहसीलदार ऋषिकांत जैन, निर्वाचन सुपरवाइजर हरिदास त्रिपाठी सहित सेक्टर ऑफीसर तथा सभी बीएलओ उपस्थित थे।जिसमे शिवपुरी डिप्टी कलेक्टर तथा एनएलएमटी वृजेन्द्र सिंह यादव द्वारा सभी बीएलओ को जानकारी देते हुऐ बताया कि 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा के विकल्प को चुनने के लिए निर्धारित फार्म 12 डी का वितरण किया गया तथा 12 डी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही इस कार्य को गम्भीरता पूर्ण कराने के लिए सभी को निर्देश दिए गए।पिछोर एसडीएम समाधिया ने सभी सेक्टर ऑफीसर तथा बीएलओ को जानकारी देते बताया गया की 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाता तथा दिव्यागों के आवेदन भरें ,साथ ही तीन प्रतियों में उसकी पावती लें। पिछोर विधानसभा में कुल दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1642 है जबकि 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 2389 है। ऐसे मतदाता जो मतदान केंद्र नहीं पहुंचपायेंगे उनको एक टीम द्वारा घर घर जाकर मतदान कराना जिसकी टीम बनाई जाएगी।सभी बीएलओ से उनकी समस्याएं सुनी और मौके पर उन समस्याओं का निराकारण किया गया।मीटिंग दौरान समस्त बीएलओ को उक्त मतदाताओं के सूचना पत्र एवं फार्म वितरित किए गए। सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार गुर्जर ने बताया कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टि एवं मृत मतदाताओं के नाम ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जावे ।इस दौरान मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

आयकर विभाग की टीम की फिजूल की वर्जिश कारखाना प्रबंधक परेशान

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता

मालनपुर

पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर। उद्योग क्षेत्र मालनपुर की स्टीलिंग एग्रो इंडस्ट्री लिमिटेड कंपनी नोवा घी में 11 अक्टूबर को सुबह 6:00 बजे आयकर विभाग की संयुक्त कार्रवाई चार दिन तक चली जांच में खगोलते रहे दस्तावेज उसके बाद भी कोई कार्रवाई लायक नहीं मिला बेरिंग लॉटी आयकर विभाग के अधिकारी बता दें कि उद्योग क्षेत्र मालनपुर स्थिति नोवा फिलिंग सेंटर दूध का कलेक्शन लेकर घी बनाने का काम किया जाता है नोवा घी के नाम पर यहां पर 11 अक्टूबर बुधवार को प्रातः 6:00 बजे आयकर विभाग की दलबल के साथ अचानक छापामार कार्रवाई की गई जिसमें इस कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंसर विमल अग्रवाल के घर ग्वालियर एवं चिल्लर सेंट्रो में सभी ग्वालियर के गेस्ट हाउस में एक साथ कार्रवाई की गई जिसमें उद्योग क्षेत्र मालनपुर की नोवा की कंपनी को भी टारगेट किया जैसे कंपनी प्रबंधकों में हड़कंप मच गया और सभी कंपनी के कर्मचारी सुरक्षा गार्ड एवं येडम ब्लॉक आदि कंपनी में अंदर से तालाबंदी कर अपनी सेल टैक्स की चोरी खगालने में जुट गए सारे दस्तावेज एवं समस्त कंपनी के अधिकारियों को मोबाइल नंबर लेकर बंद कर दिए गए जो इस कार्रवाई में आयकर अधिकारियों को खागलते खागलते इन्हें कंपनी में बुधवार 11 तारीख से 15 तारीख रविवार 8:00 बजे तक कार्रवाई में लग रहे जो कम से कम समय की जांच फिर 4 दिन लगे परंतु इन चार दिनों तकफैक्ट्री प्रबंधन अपने-अपने घर बच्चों से भी मिलने नहीं जा सके नहीं मोबाइल से बात करने दी गई फैक्ट्री परिसर में रात दिन प्रबंधकों को रोकना पड़ा कंपनी के एच आर जी एम आदित्य शुक्ला ने चर्चा में बताया कि यह इनकम टैक्स आयकर विभाग की कार्यवाही जांच हर डिपार्टमेंट में प्रति चार-पांच साल में होती रहती है इससे कंपनी का कोई नुकसान नहीं होता इससे लेखा-जोखा की टैक्स रूपी जांच चलती रहती है परंतु हमारे यहां ऐसा कोई फाल्ट नहीं मिला जिससे कंपनी का नुकसान होता उसी दिन बुधवार को तीन-चार घंटे कंपनी बंद थी परंतु अधिकारी जांच करते रहे हमारा प्लांट सुचारू रूप से चलता रहा परंतु अधिकारियों के समक्ष हमारा मैनेजमेंट समूचा दिन रात्रि में साथ रहा है जांच में सहयोग किया परंतु उनको हमारी कंपनी में कोई टैक्स चोरी नहीं मिली हमारी कंपनी द्वारा नियम के मुताबिक समूची कार्रवाई पूर्व से ही निर्धारित रहती है टैक्स हो या अन्य कार्रवाई उद्योग क्षेत्र में चलता रहता है 11 अक्टूबर बुधवार को सुबह 6:00 बजे आए और 15 रविवार को 8:00 बजे के लगभग रिकॉर्ड जांच कर चले गए

श्री आई माताजी नई वडेर उद्घाटन

पुष्पाजंली टुडे

चेन्नई ।श्री सीरवी समाज ट्रस्ट विच्चुर मनली न्यू टाउन में श्री आई माताजी का नया मंदिर का उद्घाटन हुआ रविवार रात्रि भजन संध्या सोमवार प्रातः काल 4:15 बजे यज्ञ किया फिर 7:15 बजे तस्वीर स्थापित धूप दीप प्रज्ज्वलित कर श्री आई माताजी री आरती बोलीं गई महासभा अध्यक्ष आर बी चौधरी सचिव वीरेंद्र पंवार कोषाध्यक्ष बिंजाराम परिहारिया श्री सीरवी समाज ट्रिप्लीकेन अध्यक्ष खेताराम गहलोत सह सचिव नारायणलाल चोयल सभी का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया।मनली न्यू टाउन कार्यकारणी अध्यक्ष मांगीलाल हम्बाड़, उपाध्यक्ष कुन्नाराम, सचिव चेन्नाराम चोयल, सह सचिव केवलराम हम्बाड़, कोषाध्यक्ष पोकरराम चोयल सहित समाज के गणमान्य उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

इकॉनमी को भी फायदा

एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के धमाकेदार प्रदर्शन और पदकों की रेकॉर्ड संख्या से पैदा हुए जोश ने भारत में वर्ल्ड कप की शुरुआत का वह रोमांच भले महसूस न होने दिया हो, जो सामान्य स्थितियों में होता, लेकिन इससे उसकी अहमियत कम नहीं होती। क्रिकेट भारत में महज एक खेल नहीं रह गया है। इसका क्रेज बाकी सभी चीजों पर भारी पड़ता है। ध्यान रहे, एशियन गेम्स रविवार तक ही हैं, पर क्रिकेट वर्ल्ड कप गुरुवार से शुरू ही हुआ है। यह पहला मौका है जब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की मेजबानी पूरी तरह से भारत के हिस्से में आई है। जाहिर है, अगले डेढ़ महीनों में दुनिया की 10 टीमों के बीच देश के 10 शहरों में होने वाले 48 मुकाबले क्रिकेट फैंस के क्रेज को अगले लेवल पर ले जाने के लिए काफी होंगे। लेकिन क्रिकेट की पिच पर चलने वाली रोमांचक गतिविधियां, स्टेडियम में उठने वाला दर्शकों का शोर और घरों में टीवी सेटों के सामने बैठे लोगों की तेज होती धड़कनें भारत में क्रिकेट की अहमियत को परखने का इकलौता जरिया नहीं हैं। इसकी अहमियत का अहसास हमें इन सबके बिजनेस वैल्यू से भी हो सकता है। यह अकारण नहीं है कि भारत में क्रिकेट से जुड़े किसी बड़े आयोजन का इंतजार सिर्फ क्रिकेट फैंस को ही नहीं होता, इकॉनमी की रफ्तार से अपने दिल की धड़कनों को जोड़े रखने वाला तबका भी इसका उसी बेकरारी से इंतजार करता है। इसी वर्ल्ड कप की बात करें तो यह ऐसे समय हो रहा है जब सामान्य से कम मॉनसून ने कई जानकारों के चेहरों पर चिंता की लकीरें खींच रखी हैं। अप्रैल-जून तिमाही में देश की इकॉनमी 7.8 फीसदी बढ़ी थी। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में यह वृद्धि 6.5 फीसदी और तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में और कम 6 फीसदी रहेगी। ऐसे हालात में क्रिकेट वर्ल्ड कप का यह आयोजन इस तस्वीर को बेहतर बना सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस दौरान क्रिकेट लवर्स का उत्साह कई सेक्टरों में बिजनेस को बढ़ाएगा। इस वजह से यात्रा, होटेल्स, बड़े टीवी सेट जैसे मदों में खर्च बढ़ेंगे, मैच वाले दिन फूड आइटम्स के ऑर्डर बढ़ेंगे। इन सबसे उपभोक्ताओं में खरीदारी की प्रवृत्ति बढ़ेगी। कुछ विशेषज्ञों का तो आकलन है कि वर्ल्ड कप के दौरान 18000 से 22000 करोड़ तक की खपत हो सकती है, जिससे उॅँ(ग्रॉस ऐडेड वैल्यू) में 7000-8000 करोड़ रुपये का योगदान होगा। आंकड़ों में बात करें तो तीसरी तिमाही के उॠ ग्रोथ में इससे 10 बेसिस पॉइंट तक यानी 0.10इ की बढ़ोतरी हो सकती है। जाहिर है क्रिकेट कम से कम अपने देश में मैदानों तक सीमित नहीं है। हालांकि इसकी जान निश्चित ही बोलरों की गेंदों पर घूमते बल्लों और उस पर थिरकता फैंस का दिल ही है। अब अगले डेढ़ महीने देश उसी रोमांच को जिएगा।

एक दिन के राजा यानि मतदाता को बहुत सोच समझकर मतदान करना होगा

ललित गर्ग

पांच राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी तारीखों का भी ऐलान हो गया है, अब चुनावी बिगुल बज चुका है, राजनीतिक दल एवं उम्मीदावार मतदाताओं को रिझाने, लुभाने एवं अपने पक्ष में मतदान कराने के लिये तरह-तरह के दांवपेंच चलायेंगे, इन लुभावनी छटाओं के बीच एक दिन के राजा यानी मतदाता को सतर्क एवं सावधान होकर अपने मत का उपयोग करना होगा। चुनाव मतदाताओं के हाथ में एकमात्र लेकिन बहुत ही कारगर संवैधानिक अधिकार होता है, जिसके सहारे वे जनप्रतिनिधियों का ही नहीं राष्ट्र का भविष्य निर्धारित-निर्मित करते हैं। इसलिये वक्त की नजाकत को देखते हुए मतदाता किसी प्रलोभन में न आयें और देश-हित में सृजन करें। गरीब देश की टूटती सांसों को जीने की उम्मीद दें। भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त धमनियों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता का संचार करें। इस वक्त सब-कुछ बाद में, पहले देश-हित की रक्षा और उसकी अस्मिता है, राष्ट्रीय एकता का लक्ष्य है। मतदाता इसी लक्ष्य से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को निर्णायक मोड़ दे सकेगा।

मतदाता को जागरूक होकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने में सहयोग करना होगा। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इसलिये पांच राज्यों में राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ही नहीं, चुनाव आयोग की भी परीक्षा होगी।

मतदाता की बड़ी जिम्मेदारी का यह एक दिन नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने का आधार है। लेकिन विडम्बना ही है कि मतदाता अपने अमूल्य वोट को चंद चांदी के टुकड़ों में बेच देता हो, सम्प्रदाय-जाति के उन्माद में योग्य-अयोग्य की पहचान हो खो देता हो, वह मतदाता भला योग्य उम्मीदवार को कैसे विधायी सदनों में भेज पाएंगा? नये-नये नेतृत्व उभर रहे हैं लेकिन सभी ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं एवं निर्णायक हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक सभ्यता का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि हम सभी ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच पांच राज्यों के चुनावों में हमें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो सकेगी?

आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन

तथाकथित राजनीतिक दलों एवं उनके दागी उम्मीदवारों के पास नहीं है। किसी लोकतंत्र और उनके नुमाइंदों को देखकर इसका भान किया जा सकता है कि वहां के नागरिक, मौजूदा स्थिति में मतदाता, कितने समझदार और जिम्मेदार हैं। इसी समझदारी का परिचय मतदाताओं को देना है। आधार उनके पास है ही। उन्होंने शासन देखा है, माहौल भोगा है, नीति एवं नियमों की अनदेखी देखी है, अपने जनप्रतिनिधियों को परखा भी है और विपक्षियों को करीब से जाना भी है। वे भलीभांति महसूस कर सकते हैं कि संवेदनशीलता एवं राष्ट्रहित की उम्मीद वे किन से कर सकते हैं, कौन उनका खुद का, उनके परिवार, समाज और राज्य का भला करने वाला है, किसके हाथ में शासन की बागडोर सौंपकर वे निश्चिंत हो सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री स्वयं एक नया रास्ता बनाने, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने की ठानी है, इसलिये एक नया सूरज तो उदित होगा। लेकिन यह नया सूरज उगाने में मतदाता ही योगभूत है।

मतदाता को दूरगामी एवं परिपक्व होना होगा, प्रशिक्षित होना होगा, तभी लोकतंत्र सुदृढ़ हो पायेगा एवं चुनाव के महासंग्राम के नीर-क्षीर से सक्षम एवं ईमानदार जनप्रतिनिधि चुने जा सकेंगे। जबकि अनेक मतदाताओं को अपने हिताहित का ज्ञान नहीं है, इसलिये हित-साधक एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं दल का चुनाव नहीं कर पाते। मतदाता की यह गलती एवं गैर-जिम्मेदारी आजादी के अमृतकाल में विश्राम पाये, इसके लिये इन पांच राज्यों के चुनाव कसौटी के हैं। ये चुनाव इसलिये भी महत्वपूर्ण हैं कि इनको अगले लोकसभा चुनाव की पूर्वपीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन पांच प्रदेशों से लोकसभा में 83 एवं राज्यसभा में 34 सांसद चुनकर आते हैं, ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल इन चुनावों को हल्के में नहीं ले सकता। इन चुनावों के नतीजे आम-चुनाव के लिये हवा बनाने-बिगाड़ने का आधार होंगे, इसलिये राष्ट्रीय पार्टियां अपने तरकश सजाने लगी है। लेकिन मतदाता इस सजावटी माहौल में अपने विवेक एवं समझ को नये पंख एवं परिवेश दे, स्वयं की जिम्मेदारी को महसूस करें। खुद के होने का भान कराये।

जान-बूझकर से तो कोई भी मतदाता गलती नहीं करता, पर बहकावे, प्रलोभन, जात-पात, मोहमुग्धता एवं अभाव में तो कभी-कभी अज्ञानतावश जनप्रतिनिधि चयन में उनसे गलती हो जाती है और गलत, अपराधी एवं अपरिपक्व जनप्रतिनिधि चुन लिये जाते हैं। यह गलती न हो, इसके लिए उन्हें अच्छी तरह सोच-विचार कर फैसला करना चाहिए। ऐसा करते समय यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि फिर पांच साल उन्हें यह कहने का नैतिक हक नहीं रहेगा कि उनका जनप्रतिनिधि या सरकार अच्छा नहीं कर रहे हैं। जनप्रतिनिधि और सरकार को कोसने वाले 35-40 प्रतिशत मतदाता हमारे बीच ऐसे भी हैं, जो मतदान ही नहीं करते। मतदान न करने की उनकी यह प्रवृत्ति भी लोकतंत्र की एक बड़ी विसंगति एवं कमजोरी का कारण है। पांच राज्यों की सरकारें चुनावों के चलते तमाम जनहित के फैसलों को टालती हैं या लोक-लुभावन फैसले लेती हैं। इससे सुशासन का स्वप्न धरा रह जाता है। भारतीय राजनीति के लिए यह एक गहरा संकट और चुनौती दोनों है। राष्ट्र में आज ईमानदारी एवं निष्पक्षता हर क्षेत्र में चाहिए, पर चूँकि अनेक गलत बातों की जड़ चुनाव है इसलिए पांच राज्यां के चुनावी कुंभ में व्याप्त विरोधाभासों एवं विसंगतियों को दूर किया जाना और इसके लिये मतदाता का जागरूक होना, नितांत अपेक्षित है। चुनाव लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है, यह एक यज्ञ होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का दुर्लभ अवसर है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन पांच राज्यों में जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जायेंगे। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बतायेगा, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश एवं प्रदेश एवं उसके नागरिक गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझते दिखाई देते। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।" इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता चाहे तो खुद को और अपने जनप्रतिनिधि को खाई में गिरने से बचाकर राष्ट्र को स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र दे सकता है।

भारत की सफल कूटनीति की वजह से बैकफुट पर चला गया है कनाडा

योगेंद्र योगी

अमरीका के राजदूत एरिक गार्सेटी के कनाडा को लेकर भारत-अमरीका संबंध बिगड? के बारे में किसी तरह का बयान देने से इंकार करने से यह साबित हो गया है कि इस मुद्दे पर दोनों द्विपक्षीय देशों के रिश्तों में कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पश्चिमी मुल्क इस मुद्दे पर भारत के साथ संबंध बिगाड़ने पर सहमत नहीं हैं। इस पूरे घटनाचक्र के बाद कनाडा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। यही वजह रही कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के अमेरिका से लौटते ही केंद्र सरकार ने कनाडा के 41 राजनायिकों को देश छोड़ने के लिए कह दिया। अब कनाडा गिड़गिड़ाने की हालत में है। कनाडा ने कहा है कि इस मुद्दे पर निजी तौर पर बातचीत की जा सकती है। भारत के इस निर्णय ने कनाडा को आखिरी छोर पर धकेल दिया। भारत ने यह साबित कर दिया कि विश्व का कोई भी देश भारत पर हावी नहीं हो सकता। इस मामले में भारत की कूटनीति कामयाब रही।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में संयुक्त राष्ट्रसभा और एक कार्यक्रम में दो टूक बता दिया था कि कनाडा की हरकतों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरे रूप में भारत के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी करने के खिलाफ कार्रवाई करने का यह संदेश विश्व के दूसरे देशों को दिया गया। विशेषकर फाइव आई में शामिल देशों को आगाह कर दिया गया कि भारत के खिलाफ कोई बयान या कार्रवाई की परवाह नहीं है। भारत ऐसी हरकतों से अच्छी तरह से निपटना जानता है। गौरतलब है कि फाइव आई में कनाडा भी शामिल है। ये देश एक-दूसरे को इंटेलीजेंस पर आधारित सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में बहुत नपा-तुला बयान देकर सारे पक्षों को साधने का काम किया। जयशंकर ने एक तरफ जहां अमेरिका से भारत के मजबूत होते रिश्तों की गहराई का जिक्र किया वहीं कनाडा को बेनकाब करने में कसर नहीं छोड़ी। जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। भारत ने सबसे शानदार जी20 सम्मेलन आयोजित किया और उन लोगों को गलत साबित कर दिया, जिन्होंने कहा था कि हम 20 देशों को एक साथ नहीं ला पाएंगे। जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं। प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें एक अलग स्तर तक लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि ये संबंध चंद्रयान की तरह चंद्रमा तक, शायद उससे भी आगे तक जाएंगे। भारतीय विदेश मंत्री ने अपने संबोधन की रोशनी में विश्व को बता दिया कि इस नए दौर में भारत कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच चुका है। भारत की तरक्की को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि आज का भारत पहले के भारत से अलग है। उन्होंने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मैं जिसकी बात कर रहा हूं, वह वास्तव में एक अलग भारत है। जैसा कि आपने दूसरों से सुना है। मसलन कनाडा जैसे देश यदि भारत को हल्के में लेंगे तो मुंह की खाएंगे। विदेश मंत्री के संदेश में यह भाव जाहिर हो गया कि विश्व के अन्य देश भारत की इस तरक्की में भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं तो ठीक है, यदि कोई बाधा पहुंचाने की कोशिश करेगा तो उसकी हालत कनाडा जैसी होगी। इस मौके पर जयशंकर भारत की उपलब्धियों का बखान करने से भी नहीं चूके ताकि बदलती दुनिया में भारत का स्थान शीर्ष पर सुनिश्चित किया जा सके। एस जयशंकर ने कहा कि यह वह भारत है, जो चंद्रयान-3 मिशन को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने दिखाया कि वह न केवल अपने लोगों की देखभाल कर सकता है, बल्कि दुनियाभर के सैंकड़ों देशों की ओर मदद का हाथ भी बढ़ा सकता है। आज भारत में सबसे तेजी से 5जी सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। अगर भारत के कदमों में आज ऊर्जा है, अगर उसकी आवाज में आत्मविश्वास है, तो इसके कई कारण हैं। यह 10 साल की कड़ी मेहनत का नतीजा है... ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां हमारी क्षमताएं दोगुनी या तिगुनी हो गई हैं। वैश्विक मंच से जयशंकर ने कनाडा की बखिया उधेड़ने में भी कसर बाकी नहीं रखी। न्यूयॉर्क के कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि भारत ने कनाडा से कह दिया है कि ऐसा काम करना सरकार की नीति नहीं है। अगर आपके पास कुछ विशिष्ट या कुछ प्रासंगिक है तो हमें बताएं। जयशंकर ने कहा कि जहां तक अलगाववादी गतिविधि का सवाल है तो कनाडा में माहौल बहुत अनुकूल है। जयशंकर ने कहा कि हम बार-बार कनाडा से खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई के लिए कहते रहे हैं। हमने कनाडा की ज़मीन से संगठित अपराध किए जाने से जुड़ी काफ़ी जानकारियां भी दी थीं। भारत सरकार ने कई लोगों के प्रत्यर्पण की अपील भी कनाडा से की थी। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी चिंता ये है कि कनाडा में राजनीतिक कारणों से अलगाववादी गतिविधियों के लिए माहौल बहुत माकूल रहा है। भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी गईं और वाणिज्य दूतावास पर हमला किया गया। कनाडा की लाचार हालत से यह जाहिर हो चुका है कि पश्चिमी सहित अन्य देश तभी तक किसी का साथ दे सकते हैं, जब तक उनके स्वार्थ सधते रहें। यही वजह है कि जिन देशों के दम पर कनाडा भारत को चुनौती देने का दंभ भर रहा था, मौजूदा दौर में भारत की जरूरत के मद्देनजर इन देशों ने ही कनाडा को दूध से मक्खी की तरह निकाल फेंका।

आम चुनाव में क्या भाजपा के हिन्दुत्व पर भारी पड़ेगा विपक्ष का मण्डल पार्ट-2

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में हिन्दुत्व के घोड़े पर सवार होकर विजय पताका फहराने का सपना पाले हुए है। यह वही हिन्दुत्व है जिसको बीजेपी और आरएसएस ने 80-90 के दशक में अयोध्या में हिन्दुओं के कण-कण में विराजमान प्रभु श्री राम लला के मंदिर निर्माण की सौगंध खाकर कांग्रेस के खिलाफ 'धार' दी थी। तब से आज तक हिन्दुत्व के सहारे बीजेपी का विस्तार होता गया और कांग्रेस सिकुड़ती गई। कांग्रेस की कमी को पूरा करने के लिए कई क्षेत्रीय क्षत्रपों ने विभिन्न राज्यों में अपना राजनैतिक विस्तार कर लिया। इसमें बिहार में लालू यादव-नीतीश कुमार, उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह-मायावती जैसे पिछड़े और दलित नेताओं का उभार हुआ। इन्होंने कुछ वर्षों में ही बीजेपी की हिन्दुत्व वाली राजनीति की हवा निकाल कर रख दी। कोई पिछड़ों और मुसलमान वोट बैंक के तो कोई दलित-मुस्लिम वोट बैंक के सहारे सत्ता की सीढ़ियां चढ़ा। यह सब अपने-अपने राज्यों में मुख्यमंत्री तक बने। ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि 1992 में कथित बाबरी मस्जिद ढांचा विध्वंस के बाद हिन्दुत्व की राजनीति हाशिये पर जाना शुरू हो गई थी, वहीं अगड़े-पिछड़ों-दलित और मुसलमान वोट बैंक की राजनीति आगे बढ़ना शुरू हो गई थी।

जातिवाद के नाम पर लोग अलग-अलग दलों के लिए वोट करने लगे थे। पिछड़े मुलायम के साथ चले गए और दलित मायावती के साथ हो लिए। भाजपा मात्र अगड़ों की पार्टी बनकर रह गई, जिनकी समाज में भागीदारी काफी कम थी। भाजपा और कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही थीं, लेकिन कांग्रेस का उतना बुरा हाल नहीं था, जितना बीजेपी का हो रहा था। इसीलिए कांग्रेस 2014 तक केन्द्र की सत्ता में रही या इर्दगिर्द घूमती रही। यह सिलसिला 2014 में केन्द्र की राजनीति में मोदी युग की शुरुआत के साथ थम गया। मोदी का सिक्का ऐसा चला कि जातीय राजनीति और उसके पुरोधा दोनों हाशिये पर चले गए, लेकिन जातिवादी राजनीति करने वाले कहीं न कहीं अपने दिल में यह मंसूबा जरूर पाले रहे कि एक न एक दिन उनकी जातिवादी हांडी फिर राजनीति के चूल्हें पर चढ़ेगी। इसीलिए इसके प्रयास

भी होते रहे। इसके लिए गैर बीजेपी दलों ने जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग को हवा देना शुरू कर दिया, इसमें सबसे खास बात यह रही कि जिस कांग्रेस के पुराने दिग्गज नेता और स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी जातिवादी जनगणना को देश के लिए खतरा बताते थे, उसी खतरे को राहुल गांधी ने कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने का हथियार बना लिया है।

कौन सही था, कौन गलत यह तो समय बतायेगा, परंतु अगले वर्ष होने वाले लोकसभा में जिस तरह से विपक्ष को लग रहा है कि वह जातिगत जनगणना की सियासत के सहारे बीजेपी को पटकनी दे देगा, वह एक घातक सोच है, भले ही इससे इंडिया गठबंधन को सत्ता हासिल हो जाये, मगर देश को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। जिस तरह से जातिगत जनगणना की आड़ में कुछ लोग सनातन धर्म को शर्मसार कर रहे हैं, वह इसकी बानगी भर है। यह सच हो सकता है कि सनातन धर्म में ऊंच-नीच का भेदभाव दिखाई देता हो, लेकिन यह सनातन धर्म नहीं, हिन्दू समाज की कमी है। वर्ना उन धर्मों से तो सनातन धर्म काफी सही है जहां धर्म की आड़ में खून की होली खेली जाती है। आतंकवाद को पालापोसा जाता है, लेकिन वोट बैंक की सियासत के चलते इस पर कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं होता है।?

बेहद शर्मनाक है कि जहां भाजपा अपने सबसे बड़े और धारदार सियासी हथियार हिंदुत्व को फिर से आजमा कर कमंडल राजनीति को गरम करने में लगी है, तो वहीं उसकी काट के लिए सामाजिक न्याय के योद्धा राजद, जद (यू) और समाजवादी पार्टी हिंदू ध्रुवीकरण की काट के लिए जातीय जनगणना और रामचरित मानस विवाद के जरिए पिछड़ों के ध्रुवीकरण की मंडल राजनीति का दांव खेलने में जुट गए हैं। बात बीजेपी की कि जाए तो दरअसल भारतीय जनता पार्टी और पूरा संघ परिवार दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। एक सरकार और पार्टी की खुली और अधिकारिक रणनीति और दूसरी गैर पार्टी संगठनों यानी संघ परिवार के आनुषांगिक संगठनों के जरिए छुपी हुई समानांतर रणनीति। इसके तहत संघ परिवार से जुड़े विभिन्न गैर भाजपा संगठनों द्वारा लगातार हिंदुत्व और हिंदू ध्रुवीकरण के मुद्दे को गरम करते हुए संघ परिवार की कमंडल राजनीति को आगे बढ़ाते रहना होगा। इसीलिए एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके मंत्री और भाजपा, केंद्र सरकार के पिछले करीब दस साल के कामकाज व उपलब्धियों का जोरशोर से प्रचार प्रसार करके जनता को बताएंगे कि किस तरह भारत की असली विकास यात्रा 2014 से शुरू हुई है।

दूसरी रणनीति के तहत जनवरी 2024 तक अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पूरा होने का अतिशय प्रचार, गोवध और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर लगातार माहौल गरम रखना, कुछ साधू संतों के द्वारा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का आह्वान और विहिप, बजरंग दल जैसे संगठनों और भाजपा के भी हिंदुत्ववादी सांसदों, नेताओं द्वारा इसका समर्थन करते हुए हिंदुओं में यह संदेश देना कि जिस तरह 2014 के बाद से लगातार केंद्र और राज्यों की भाजपा सरकारों ने लगातार हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाया है, तीन तलाक, अनुच्छेद 370 जैसे मुद्दों को हल किया है, उसी तरह अगर भारत को हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए हिंदू राष्ट्र बनाने की तरफ आगे ले जाना है तो 2024 में भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार को और भी ज्यादा बड़े बहुमत से जिताने की जरूरत है।

उधर, कांग्रेस ने कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित होकर कमंडल और मंडल से इतर भाजपा और मोदी सरकार के खिलाफ मुद्दों का एक बंडल तैयार किया है, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, छोटे उद्योगों, मझोले व्यापार और दुकानदारों की तकलीफ, मजदूरों की रोजमर्रा की दिक्कतों और सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना और कार्पोरेट भ्रष्टाचार के जरिए अमीर गरीब की गहराती खाई जैसे मुद्दे शामिल हैं। अब देखना यह है कि अगले वर्ष लोकसभा चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा।

करिश्मा कपूरः बैचेन हैं फिर करिश्मा फैलाने को

मुम्बई। बॉलिवुड में जब भी अभिनेत्रियों के संघर्ष की कहानी सुनाई जाती है या ऐसी हिरोइनों की बात की जाती है जो ट्रेंड चेंजर के नाम से जानी जाती हैं तो उनमें करिश्मा कपूर का नाम जरूर आता है। हिंदी सिनेमा जगत में बेशक करिश्मा कपूर सबसे बड़े बॉलिवुड घराने से ताल्लुक रखती हों पर उनकी सफलता में कपूर उपनाम का कोई असर नहीं है। करिश्मा कपूर ने हिंदी सिनेमा में जो जगह बनाई, जो संघर्ष किया वह खुद में एक फिल्मी कहानी से कम नहीं है। सभी जानते हैं कि कपूर खानदान में लड़कियां फिल्मों में काम नहीं करती थीं। यहां तक कि अभिनेत्री रह चुकी बहुओं को भी शादी के बाद फिल्मों का परित्याग करना पड़ा। इस परिप्रेक्ष्य में बबिता की जिद से करिश्मा कपूर का फिल्मों में आना किसी बड़ी घटना से कम नहीं था। चूंकि कपूर खानदान का सपोर्ट नहीं था, इसलिए भव्य और जबर्दस्त लॉन्चिंग नहीं हुई। दक्षिण के अभिनेता हरीश के साथ उनकी पहली फिल्म प्रेम कैदी आई। उस समय करिश्मा महज 17 साल की थीं। कॅरियर के आरंभ में उन्होंने बी ग्रेड फिल्में भी कीं। लेकिन गोविंदा के साथ कॉमेडी फिल्मों में उनकी जोड़ी खूब चली और यहीं से करिश्मा का करिश्मा सभी ने देखा। अनुभव और अभ्यास से अभिनय में पारंगत होने के बाद करिश्मा कपूर ने अपनी जगह बनाई। करिश्मा कपूर का जन्म 25 जून, 1975 को मुंबई में हुआ था। करिश्मा की मां बबिता भी हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। उनके पिता रणधीर कपूर को तो यूं भी किसी परिचय की जरूरत नहीं है। कपूर खानदान से होने के बाद भी करिश्मा कपूर इकलौती कपूर खानदान की सदस्य हैं जिन्हें फिल्मों में काम पाने के लिए स्ट्रगल करना पड़ा। जहां करीना कपूर और रणबीर कपूर को स्टारडम विरासत में मिली वहीं करिश्मा ने काम के लिए एक नए कलाकार की तरह स्ट्रगल किया। मां बबिता के दबाव में आकर पढ़ाई अधूरी छोड़ उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू किया। ठप्रेम कैदी में जब पहली बार करिश्मा दर्शकों से रूबरू हुईं, तो उनके लुक को लेकर काफी आलोचना हुई, पर इससे उनका हौसला कम नहीं हुआ। उन्होंने अपने लुक पर काफी मेहनत की और समय बीतने के साथ एक ग्लैमरस और सफल अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। गोविंदा, डेविड धवन और करिश्मा की तिकड़ी ने कई यादगार हिट कॉमेडी फिल्में दीं, जिनमें राजा बाबू, कुली नंबर वन और साजन चले ससुराल जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं। इनमें करिश्मा की कॉमिक टाइमिंग लाजवाब रही।

पार्टी में दिखना है सबसे खास तो बॉलीवुड सुंदरियों की तरह पहनें येलो साड़ी

नई दिल्ली। येलो एक ऐसा कलर है, जो बेहद ही वाइब्रेंट और रिफ्रेशिंग माना गया है। खासतौर से, इस ब्राइट कलर को अक्सर समर्स में लड़कियां अपने वार्डरोब में शामिल करती हैं। यूं तो येलो कलर के टॉप से लेकर जैकेट व सूट आदि आसानी से पहने जा सकते हैं, लेकिन अगर आप पार्टी में कुछ खास पहनने का मन बना रही हैं तो ऐसे में येलो साड़ी पहनना यकीनन एक अच्छा आईडिया है। येलो कलर की सिंपल साड़ी भी आपके लुक में चार-चांद लगा सकती हैं। तभी तो बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण से लेकर विद्या बालन तक येलो साड़ी में खुद को स्टाइल कर चुकी हैं। तो चलिए देखते हैं इन बॉलीवुड एक्ट्रेस के येलो साड़ी लुक्स और करते हैं अपना स्टाइल अपडेट- **विद्या बालनः** विद्या बालन का यह येलो साड़ी लुक बेहद ही रिफ्रेशिंग है। उन्होंने येलो साड़ी को स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया है, जो उनकी साड़ी के बॉर्डर से मैचिंग है। मिनिमल एसेसरीज और लाइट मेकअप उनके लुक को खास बना रहा है। अगर आप चाहें तो डे टाइम में विद्या के इस लुक को बेहद आसानी से रिक्रिएट कर सकती हैं। वहीं अगर आप रात में यह लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो मेकअप के साथ थोड़ा प्ले अवश्य करें।

श्रद्धा कपूरः बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने मस्टर्ड येलो कलर की साड़ी को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाया है, जिस पर व्हाइट थ्रेड वर्क किया गया है। श्रद्धा ने इस साड़ी के

साथ मिरर वर्क स्लीवलेस ब्लाउज को पेयर किया है, जो उन्हें पार्टी रेडी लुक दे रहा है। लाइट मेकअप और मांगटीका से वह बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। आप भी किसी गेट टू गेदर या पार्टी में श्रद्धा की तरह खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

कीर्ति कुल्हारीः अगर आप पार्टी में अपनी साड़ी से एक स्टेटमेंट लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो कीर्ति कुल्हारी के इस लुक से इंस्पिरेशन लें। कीर्ति ने इस लुक में येलो प्रिंटेड साड़ी को ब्लाउज की जगह येलो स्ट्राइप्ड शर्ट के साथ पेयर किया है, जो उनके लुक को एक स्टाइलिश ट्विस्ट दे रहा हैं। कीर्ति के इस लुक को रिक्रिएट करते हुए आप ऑक्सीडाइज्ड ज्वैलरी और बोल्ड आई मेकअप से अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं।

दीपिका पादुकोणः वहीं अगर बात दीपिका पादुकोण के लुक की हो तो उन्होंने येलो कलर की साड़ी को नीवी स्टाइल में कैरी किया है। इस साड़ी का रेड बॉर्डर उनकी खूबसूरती को और भी ज्यादा बढ़ा रहा है। दीपिका पादुकोण ने इस साड़ी के साथ डीप बैक ब्लाउज को पेयर किया है। अगर आप दीपिका की तरह स्टाइलिश ब्लाउज के साथ प्लेन येलो साड़ी पहन रही हैं तो स्टेटमेंट एसेसरीज की मदद से अपने लुक को स्पाइसअप करें।

दिलीप कुमार, सायरा बानो और वो

मुम्बई। पर्दे की फिल्मी कहानियां देखकर उनका हकीकत से जुड़ाव दर्शकों को बहुत भाता है। हिन्दी फिल्मों में नायक-नायिकाओं के प्रेम को देखकर कई बार लगता है कि शायद यह रीयल लाइफ में भी इतने ही करीब होंगे। यह सोच कई बार सही भी साबित होती है। अब आप दिलीप कुमार और सायरा बानो की प्रेम कहानी को ही ले लीजिए।

आधी उम्र की नायिका, पिता ना बन पाने का दर्द और नायिका के दिल में पहले से बसे दूसरे प्रेमी को हटाना यह सब शायद दिलीप कुमार साहब के लिए आसान ना हो। जिस समय दिलीप कुमार और सायरा बानो की शादी हुई उस समय सायरा बानो 25 वर्ष की थीं और दिलीप कुमार 44 के थे। एक मजेदार प्रेम कहानी दिलीप कुमार और सायरा बानो की प्रेम कहानी भी बड़ी मजेदार है। भारत-पाक विभाजन के बाद सायरा बानो लंदन जा बसीं। सायरा की शिक्षा-दीक्षा लंदन में हुई है। छुट्टियां मनाने सायरा जब भारत आतीं, तो दिलीप कुमार की फिल्मों की शूटिंग देखने घंटों स्टूडियो में

बैठी रहती थीं। सायरा बानो ने एक साक्षात्कार में यह माना है कि जब वह बारह साल की थीं तभी से वह दुआ करती थीं काश उनका विवाह दिलीप कुमार के साथ हो जाए। जब सायरा बानो ने फिल्मों में काम करना शुरू किया तो वह दिलीप कुमार से मिलने लगीं। दिलीप कुमार इसी दौरान सायरा बानो के घर के करीब आकर रहने लगे। लेकिन सायरा बानो जिस समय फिल्मों में सफलता का स्वाद चख रही थीं उसी समय उनके दिल में जा बसे थे बॉलिवुड के जुबली कुमार राजेन्द्र कुमार हालांकि उस समय राजेन्द्र कुमार शादी-शुदा थे और बाल-बच्चों वाले थे।

जब यह बात सायरा बानो की मां को पता चली तो उन्हें बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपनी बेटी को बहुत समझाया। इसके बाद सायरा बानो को खुद दिलीप कुमार ने भी सिखाया।

दिलीप कुमार ने सायरा बानो को समझाया कि राजेन्द्र कुमार से विवाह कर वह सिर्फ सौतन ही कहलाएंगी। इसके जबाव में सायरा बानो ने दिलीप जी से ही शादी करने की बात कह डाली जिसे दिलीप कुमार जी ने स्वीकार कर लिया। शादी के बाद पति, पत्नी और वो ऐसी खबरें थीं कि एक समय दिलीप-सायरा के बीच अस्मां नामक एक खूबसूरत महिला आकर खड़ी हो गई। खबरों के अनुसार 30 मई, 1980 को उसने बंगलौर में दिलीप कुमार से शादी की। समय रहते दिलीप साहब ने उससे छुटकारा पा लिया, लेकिन तीन साल तक वे झूठ बोलते रहे कि उनकी कोई दूसरी शादी नहीं हुई है।

ऐसा माना जाता है कि दिलीप साहब के दिल में पिता कहलाने की एक ललक थी, जिसे वे शायद अस्मां के जरिये पूरी करना चाहते थे। बॉलिवुड में तमाम अफवाहों और खबरों के बीच भी सायरा बानो और दिलीप कुमार की जोड़ी को आदर्श माना जाता है। आज अल्जाइमर की बीमारी की वजह से सायरा ही दिलीप कुमार की एकमात्र याददाश्त और सहारा हैं। हर कहीं दोनों एक साथ आते-जाते हैं और एक-दूसरे का सहारा बने हुए हैं। कुछ पार्टियों और फिल्मी प्रीमियर के मौके पर वे नजर भी आते हैं। दुआ करते हैं बॉलिवुड की इस खूबसूरत जोड़ी को कभी नजर ना लगे।

भगवान बुद्ध की मूर्ति पर बैठने पर ट्रोल हुई ताहिरा कश्यप, अब मांग रहीं माफी

मुम्बई। बीते दिनों ही कैंसर को मात देकर अपने काम पर लौटीं आयुष्मान खुराना की पतनी ताहिरा कश्यप अब विवादों में घिरी हैं। ताहिरा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं काफी आहत हो गईं। लोगों ने ताहिरा को इस बात के लिए काफी खरी खोटी सुनाना शुरू कर दिया। लेकिन इस तरह की ट्रोलिंग को देखते हुए ताहिरा ने अब मांफी मांगी है। भगवान बुद्ध की मूर्ति पर बैठने को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हुई लेखिका-निर्देशि ताहिरा कश्यप ने 'अनजाने में लोगों को नाराज करने के लिए' माफी मांगी है। ताहिरा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह भगवान बुद्ध की मूर्ति पर बैठी नजर आ रही थीं। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर पर लोगों की नकारात्मक

प्रतिक्रिया रही। हालांकि अब इस पोस्ट को इंस्टाग्राम से डिलीट कर दिया गया है। इसके लिए माफी मांगते हुए ताहिरा ने लिखा : 'मैं कभी भी किसी के लिए दुख या दर्द का कारण नहीं बनना चाहती हूं। न चाहते हुए भी कुछ लोगों को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगती हूं। सभी के लिए प्रेम और शांति की कामना करती हूं।' इस पोस्ट को ताहिरा ने ट्विटर और इंस्टाग्राम दोनों जगह शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपनी बात को बड़ी ही विनम्रता से लोगों के सामने रखा है। बता दें पिछले साल ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के बाद ताहिरा दोबारा अपने काम पर वापस आ चुकी हैं और हाल ही में उन्होंने एक म्यूजिक वीडियो का निर्देशन भी किया है जिसमें उनके देवर अपारशक्ति खुराना हैं।

ऑफर हुआ था दुर्योधन का किरदार, भीष्म और शक्तिमान बनकर छाए थे मुकेश खन्ना!

मुम्बई। बच्चों के प्यारे सुपरहीरो शक्तिमान, भोले-भाले गंगाधन और बड़ों के आदरणीय भीष्म पितामह के किरदारों में प्राण फूंकने वाले

एक्टर मुकेश खन्ना आज भी अपने किरदारों के चलते लोगों के जहन में अपनी खास जगह बनाए हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि अपने करियर की शुरुआत में ही भीष्म पितामह का गंभीर किरदार निभाने वाले मुकेश को पहले बीआर चोपड़ा ने दुर्योधन का किरदार ऑफर किया था। मुकेश खनन आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं।

भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे कामयाब कार्यक्रमों में शुमार 'महाभारत' में भीष्म पितामह की यादगार भूमिका निभाने वाले मुकेश खनन को पहले दुर्योधन के किरदार की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इस रोल के लिए साफ तौर पर मना कर दिया था। यह बात कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में खुद मुकेश खनन ने बताई थी। उनका कहना है कि वह नकारात्मक भूमिकाएं नहीं निभा सकते इसीलिए उन्होंने दुयीधन की भूमिका नहीं की। इस बारे में विस्तार से बताते हुए खन्ना ने कहा था, 'मैंने महाभारत के लिए ऑडिशन दिया था। बी. आर. चोपड़ा ने मुझे दुयीधन का किरदार निभाने के लिए कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया। मैं नकारात्मक किरदार नहीं निभा सकता इसीलिए मैंने ऐसा किया। इसके बाद मुझे भीष्म पितामह की भूमिका दी गई।'

अभिनय की दुनिया में अपना अलग मुकाम हासिल कर चुके मुकेश खनन का जन्म 18 जून 1958 को हुआ था। हालांकि कई जगह इस 22 जुलाई को उनका जन्मदिन बताया जाता है। वर्ष 1984 में उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। इसके बाद कुछ फिल्मों में काम किया, लेकिन उम्मीद के मुताबिक कायामबी नहीं मिली। 1980 के दशक में बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' ने मुकेश की किस्मत बदल दी। मुकेश के यादगार रोल इन सीरियल और फिल्मों में देखे गए, जिनमें सौदागर (1991), यलगार (1992), तहलका (1992), शक्तिमान (1993), मुख्य खिलाड़ी तू अनाड़ी (1994), बरसात (1995), राजा (1995), वीर (1995), हिम्मत (1996), मैदान-ए-जंग (1995), जज मुजरिम (1997), हेरा फेरी (2000) और प्लान (2004) शामिल है।

कभी अमृता सिंह तो कभी करीना कपूर

मुम्बई। बॉलिवुड में जब बात अभिनेताओं के आशिक मिजाजी की होती है तो शायद सबसे पहले नाम लिया जाता है सलमान खान का। लेकिन सलमान खान अगर आशिकी के मियां हैं तो नवाबी का ताज सैफ अली खान के सर है।

आशिक मिजाज सैफ अली खानः सैफ अली खान नवाबों के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनका जन्म पटौदी के नवाबों के घर हुआ था। उनके पिता ने मशहूर अभिनेत्री शर्मिला टैगौर से शादी की थी। पिता की तरह ही सैफ अली खान ने अपनी पहली शादी अपनी उम्र से बड़ी और अभिनेत्री अमृता सिंह के साथ की। लेकिन साल 2004 में दोनों अलग हो गए। दो बच्चे होने के बाद भी सैफ अली खान की शादी अमृता सिंह के साथ जिंदगी भर ना चल सकी।

इसके बाद आशिक मिजाज नवाब का दिल आया रोजा काटालानो पर जो एक स्विस मॉडल थीं। पर इनके साथ भी सैफ का सफर अधिक दिनों का नहीं रहा। साल 2007 में सैफ अली खान और अभिनेत्री करीना कपूर के अफेयर की खबरें बॉलिवुड मैगजीनों की हेडलाइन बनने लगी। दोनों साथ-साथ नजर आने लगे। हर पार्टी और

अवार्ड शो में बांहों में बांहे डाले दोनों की उपस्थिति ने दोनों के रिश्तों को सार्वजनिक कर दिया। इसके साथ ही दोनों ने खुद अपने रिश्ते को प्यार का नाम दिया। अब जब प्यार किया तो डरना क्या।

सैफ अली खान का कॅरियरः सैफ अली खान का जन्म 16 अगस्त, 1970 को पटौदी के नवाब मंसूर अली खान पटौदी के घर हुआ था। नवाब पटौदी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे। सैफ अली खान की माता मां शर्मिला टैगोर हिन्दी फिल्मों की मुख्य अभिनेत्री रह चुकी हैं। सैफ अली खान की बहन सोहा अली खान भी हिन्दी फिल्मों की अभिनेत्री हैं। उनकी दूसरी बहन साबा अली खान हैं।

सैफ ने फिल्म परंपरा (1992) से बतौर अभिनेता अपने कॅरियर की शुरुआत की, लेकिन यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं कर सकी।

लेकिन इसके बाद आई फिल्म आशिक आवारा के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू अवार्ड मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्में की पर कोई सफल नहीं हो सकी।

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, यह दिल्लगी, कच्चे धागे, हम साथ-साथ हैं जैसी मल्टीस्टारर फिल्मों में तो उन्होंने बेहतरीन अभिनय किया पर एक अभिनेता के तौर पर वह अकेले किसी फिल्म को सफल नहीं करा सके।फिल्म आशिक आवारा से लेकर फरहान अख्तर की दिल चाहता है तक सैफ ने दो दर्जन से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया, पर खुद को समकालीन अभिनेताओं की तुलना में साबित नहीं कर पाए थे। ऐसे में दिल चाहता है सैफ के कॅरियर में यू टर्न लेकर आयी। आमिर खान, अक्षय खन्ना जैसे प्रतिभावान सितारों की मौजूदगी में भी सैफ अपनी बेहतरीन संवाद अदायगी और हाजिरजवाबी से दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रहे। दिल चाहता है के बाद सैफ अली खान ने कल हो ना हो, हम-तुम, सलाम-नमस्ते, एक हसीना थी और परिणिता जैसी फिल्मों में काम किया। हम तुम में पहली बार सैफ अली खान ने अकेले अभिनय करते हुए फिल्म को हिट करवाया। इस फिल्म के लिए सैफ को पहली बार फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवार्ड मिला। इस फिल्म के लिए सैफ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। साल 2007 में आई फिल्म ओंकारा के लिए भी सैफ अली खान को सर्वश्रेष्ठ विलेन का फिल्मफेयर अवार्ड मिला। सैफ ने फिल्म युवा डायरेक्टर इम्तियाज अली की फिल्म लव आजकल (2009) से बतौर निर्माता शुरूआत की। इस फिल्म में वह खुद अभिनेता रहे। यह फिल्म एक हिट साबित हुई और उसके बाद उन्होने श्रीराम राघवन की एजेंट विनोद को भी प्रोड्यूस किया।

जब आमिर खान का परिवार लगभग हो गया दिवालिया, सड़क पर आने की थी नौबत

नई दिल्ली। आमिर खान बॉलिवुड के सबसे सफल ऐक्टर्स और प्रड्यूसर्स में से एक हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि जब वह यंग थे, तब उनके पिता ताहिर हुसैन को आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। आमिर ने अपनी फिल्म 'लगान' के 20 साल पूरे होने के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने अपने प्रड्यूसर बनने के फैसले और परिवार को मुश्किल समय झेलने के दौरान हुई दिक्कतों पर भी बात की। आइए जानते हैं, ऐक्टर ने क्या-क्या कहा...

आमिर ने कहा, 'मेरे पिता अच्छे और उत्साही प्रड्यूसर थे लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि बिजनस कैसे करना है। उन्होंने कभी पैसा कमाना नहीं छोड़ा मगर उनके पास सिर्फ दिक्कतें थीं। जब वह फिल्म 'लॉकेट' बना रहे थे, उन्हें डेट्स से लेकर ऐक्टर्स की उपलब्धता जैसी कई चीजों से डील करना पड़ा। फिल्म को पूरा होने में 8 साल लग गए।'

आमिर ने आगे कहा, 'मेरे पिता काफी कर्ज में डूबे हुए थे। मैंने उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करते हुए देखा है। मुझे नहीं मालूम कि आपको पता है लेकिन हम लगभग दिवालिया हो गए थे और उस वक्त सड़क पर आने की नौबत आ चुकी थी। लोग मेरे पिता को कॉल करते थे और वापस पैसे मांगते थे। मेरे पिता ने सारे पैसे फिल्मों में लगा दिए थे और मुश्किलों का सामना कर रहे थे।'

आमिर ने उसे घटना को भी याद किया जो उनकी मां ने ऐक्टर

से शेयर किया था। वह बताते है, 'वह रात में उठीं और लाइट जल रही थी। मेरे पिता ने कपबोर्ड खोला और वह कुछ ढूंढ रहे थे। मेरी मां ने उनसे पूछा- क्या ढूंढ रहे हैं, ऐसा क्या हो गया रात में इस पर मेरे पिता ने कहा कि प्रैजुएशन का सर्टिफिकेट ढूंढ रहा हूं क्योंकि हम दिवालिया होने जा रहे हैं और यह घर चला जाएगा। मुझे जॉब करनी होगी और पैसे कमाने होंगे, इसीलिए सर्टिफिकेट ढूंढ रहा हूं।'

आमिर कहते हैं, 'एक आदमी 40 की उम्र में अपनी पत्नी से कह रहा है कि मैं जॉब के लिए अपना सर्टिफिकेट ढूंढ रहा हूं। ऐसी हालत हो गई थी। इसके बाद ही मैंने तय किया था कि मैं प्रड्यूसर नहीं बनूंगा लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था।'

आमिर कैसे प्रड्यूसर बने, इसे याद करते हुए वह बताते हैं, 'आशुतोष गोवारिकर मेरे पास लगान की कहानी लेकर आए। उन्हें कोई प्रड्यूसर नहीं सूझ रहा था जो बड़े स्केल पर और उतने संसाधनों के साथ फिल्म बना सके। मुझे लगा था कि आशुतोष अच्छे डायरेक्टर हैं लेकिन यकीन नहीं था कि कोई प्रड्यूसर आशुतोष को फिल्म के लिए सपोर्ट करेगा क्योंकि उस वक्त तक उन्होंने कोई हिट फिल्म नहीं दी थी।'

आमिर ने आगे कहा, 'मैं तो गलती से प्रड्यूसर बन गया। मेरा प्रड्यूसर बनने का कोई इरादा नहीं था। कोई मुझे मिला नहीं तो मैं बन गया।' बता दें, मंगलवार यानी 15 जून को 'लगान' के 20 साल पूरे हो गए है। फिल्म में आमिर के अलावा ग्रेसी सिंह, रघुवीर यादव जैसे तमाम ऐक्टर्स नजर आए थे।

फिल्म 'लक्ष्य' को याद कर इमोशनल हुए ऋतिक रोशन और फरहान अख्तर, रिलीज को हुए 23 साल

मुम्बई। पुराने दिन याद करके वैसे तो हम सभी इमोशनल हो जाते हैं लेकिन अगर वह दिन कुछ ऐसा हो जिसने आपके जीवन में बड़ा बदलाव किया हो, तब तो यह दिन ज्यादा खास हो जाती है। मंगलवार को ऐसा ही कुछ हुआ हमारे बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ। फिल्म 'लक्ष्य' के 23साल पूरे होने पर इसके प्रमुख अभिनेता ऋतिक रोशन मंगलवार को भावनात्मक हो गए। ऋतिक ने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से उन्होंने एक कलाकार के तौर पर खुद को दोबारा खोजा था। ऋतिक ने ट्वीट किया, 'यह फिल्म मेरे लिए खुद को फिर से खोजने की सुंदर कहानी है। लक्ष्य ने एक अभिनेता के तौर पर मुझे खुद को फिर से तलाशने का मौका दिया। इस फिल्म के

माध्यम से मुझे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी जैसे बहुत अच्छे दोस्त मिले।'सेना की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म को दर्शकों ने खूब सहारा था। 2004 में प्रदर्शित इस रोमांटिक वॉर ड्रामा का निर्देशन फरहान ने किया था और इसका निर्माण रितेश ने किया था। इस फिल्म में प्रीति जिंटा और अमिताभ बच्चन ने भी काम किया था।फरहान अख्तर ने भी इस फिल्म के रिलीज के 23साल पूरे होने पर ट्वीट करते हुए कहा, 'लगता है अभी कल की ही बात है।' बता दें कि ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सुपर 30' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के सभी गाने लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। इस फिल्म में पहली बार ऋतिक किसी बिहारी के किरदार में नजर आएंगे।

भारत बनाम पाकिस्तान भिड़ंत में बनाए ड्रीम 11 टीम, इन खिलाड़ियों को चुने कप्तान और उपकप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप में 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेला जाएगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले के लिए हर कोई उत्साहित हैं। अभी तक विश्व कप में दोनों ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है और दोनों ने अपने सभी मुकाबले जीते हैं। अगर आप भी इस हाईवोल्टेज मुकाबले में अपनी ड्रीम 11 टीम बनाना चाहते हैं तो इन खिलाड़ियों को चुन सकते हैं।

अभी तक वर्ल्ड कप के लीग मैचों में भारत ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर अफगानिस्तान टीम को हराया है। वहीं पाकिस्तान ने पहले मैच में नीदरलैंड्स और फिर श्रीलंका को मात दिया है। भारतीय टीम के बल्लेबाज फिर चाहे वो कप्तान रोहित शर्मा हो या विराट कोहली हर कोई बेहतरीन फॉर्म में है। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने भी अभी तक के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया है।

हालांकि, पाकिस्तान कप्तान बाबर आजम फॉर्म से बाहर चल रहे हैं। इसके अलावा पाक टीम ने अपने पिछले मैच में टॉप ऑर्डर में बदलाव करते हुए फखर जमान की जगह अब्दुल्ला शफीक को मौका दिया था। जिसके बाद उन्होंने 113 रनों की शतकीय पारी खेली। मोहम्मद रिजवान भी अच्छी फॉर्म में हैं लेकिन इमाम उल हक का खराब प्रदर्शन अभी भी जारी है।

दरअसल, इस दिन क्रिकेट जगत की दो चिर परिचित प्रतिद्वंदी टीमें भारत और पाकिस्तान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। वहीं दोनों ही टीमें वर्ल्ड कप लीग के अपने दो-दो मैच जीत के बाद इस रोमांचक मैच के लिए मैदान में उतरेंगी। भारत ने अपने दूसरे मैच में रविचंद्रन अश्विन की जगह शार्दुल ठाकुर को खेलने का मौका दिया था, जबकि क्रिकेट के पंडितों का कहना था कि शमी को मौका दिया जा सकता था।

ऐसे में बड़ा सवाल ये कि रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में इन तीनों में से किसे मौका देंगे।

नंबर-8 की पोजिशन के लिए टीम इंडिया में ये तीन दावेदार हैं। इन तीनों में से रोहित शर्मा किस खिलाड़ी को मौका देंगे, इसका पता तो टॉस के बाद ही चलेगा।

शमी, अश्विन और शार्दुल ठाकुर में किसे मिलेगा मौका?: हालांकि, मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान के खिलाफ अभी तक कुल 3 वनडे मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने कुल 28 ओवर में गेंदबाजी की है और 107 रन खर्च किए हैं। जबकि उन्हें 5 विकेट की कामयाबी मिली है। इसके बावजूद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ ज्यादा अनुभव नहीं है। वहीं अश्विन की बात करें तो नरेंद्र मोदी की बाउंड्री थोड़ी बड़ी हैं। जिस लिहाज से रोहित शर्मा अश्विन के साथ जा सकते हैं। अश्विन विकेट ले ना ले लेकिन वो विपक्षी टीम को रन बनाने से जरूर रोकेंगे। साथ ही अश्विन को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है, और वह बल्लेबाजी में भी टीम की अच्छी-खासी मदद कर सकते हैं।

शार्दुल ठाकुर को टीम में रखने का मकसद धीमी गति और मिश्रण वाली मध्यम तेज गेंदबाजी करने के साथ-साथ नंबर-8 पर बल्लेबाजी से थोड़ी मदद करना है। हालांकि, भारतीय टीम की बल्लेबाजी जिस तरह की फॉर्म में है, उसे देखकर ऐसा लगता है कि टीम को नंबर-8 पर ऑल-राउंडर की जरूरत नहीं पड़ेगी, ऐसे में मोहम्मद शमी को मा दिया जा सकता है।

दोनों की संभावित प्लेइंग इलेवन-

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव।

पाकिस्तान- इमाम उल हक, अब्दुल्ला शफीक, बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, हसन अली।

128 साल बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी, आईओसी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2028 में अमेरिका के लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी ने ये स्पष्ट कर दिया है। ओलंपिक 2028 में क्रिकेट के अलावा एक और खेल स्क्वैश को जोड़ा जा रहा है। ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पूरे 128 साल बाद हो रही है।

इंटरनेशनल ओलंपिक समिति यानी आईओसी ने दोनों खेलों को शामिल करने के लिए मंजूरी दे दी है। क्रिकेट और स्क्वैश को अमेरिका में होने वाले ओलंपिक खेलों में जोड़ने के लिए एलए आयोजन समिति ने ही सिफारिश की थी। इसके बाद एपेक्स ओलंपिक बॉडी ने मुंबई में हाई कार्यकारिणी बैठक के दौरान इस सिफारिश की थी। इसके बाद एपेक्स ओलंपिक बॉडी ने मुंबई में हुई कार्यकारिणी बैठक के दौरान इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। इस बैठक की अध्यक्षता आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने की है।

एलए आयोज समिति ने कुल पांच नए खेलों को जोड़ने की सिपारिश की थी। जिसमें क्रिकेट के अलावा स्क्वैश, बेसबॉल, लैक्रॉस और फ्लैग फुटबॉल शामिल थे। ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाख ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि सभी पांच खेल एलए 2028 के सामान्य लोकाचार के अनुरूप थे। इन प्रस्तावों को आईओसी कार्यकारी बोर्ड द्वारा एक पैकेज के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। ये ध्यान

में रखते हुए कि ये प्रस्ताव और खेल ओलंपिक 2028 में अमेरिकी खेल संस्कृति अनुरूप हैं। ये संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय खेलों को लाने के साथ-साथ प्रतिष्ठित अमेरिकी खेलों को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेंगे। ओलंपिक 2028 में टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का मतदान स 14 से 16 अक्टूबर को मुंबई में होगा।

बता दें कि, 1900 समर ओलंपिक में क्रिकेट सिर्फ एक बार ही खेला गया है। 128 साल पहले इस खेल में ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच एकमात्र मुकाबला हुआ था। गोल्ड मेडल के लिए हुए इस मैच में एक टीम से 12 खिलाड़ियों को शामिल किया गया था। इस मैच में ग्रेट ब्रिटेन ने फ्रांस को 185 रनों से हरा कर गोल्ड मेडल जीता था।

भारत बनाम पाक मैच से पहले म्यूजिकल प्रोग्राम, अरिजीत सिंह से लेकर सुखविंदर बिखेरेंगे अपनी आवाज का जादू

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 में आखिर वो दिन आ ही गया जब क्रिकेट जगत की दो चिर परिचित प्रतिद्वंदी टीमें भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़ेंगी। ये रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले इस मैदान में एक लाख से ज्यादा दर्शकों की मौजूदगी में म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन होगा। इस प्रोग्राम में अरिजीत सिंह, शंकर महादेवन, सुखविंदर सिंह जैसे कलाकार अपनी आवाज का जादू बिखरेंगे। वहीं इस म्यूजिक इवेंट का उद्देश्य आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए पारंपरिक उद्घाटन समारोह के नहीं होने की कमी को पूरा करना है। इसके अलावा दोनों पारियों के बीच ब्रेक के दौरान 10 मिनट का रंगारंग कार्यक्रम भी होगा। मैच से पहले सेरेमनी 12.30 बजे शुरू होगी, जिसकी आधिकारिक जानकारी बीसीसीआई ने दी है। वहीं इस महाभिड़ंत के लिए अहमदाबाद में सुरक्षा के चाक चौबंद हैं। पूरे अहमदाबाद को छावनी में तब्दील किया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था की खुद राज्य गृहमंत्री ने खुद जायजा लिया। शहर में अगले 2 दिन ना सिर्फ सड़क बल्कि हवाई मार्ग भी बिजी रहेगा।

अब ओलंपिक में फिर से खेला जाएगा क्रिकेट, 128 सालों के बाद होगी वापसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने शुक्रवार, 13 अक्टूबर को 2028 लॉस एंजिल्स ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की सिफारिश को मंजूरी दे दी। क्रिकेट 2028 खेलों के लिए एलए आयोजन समिति द्वारा अनुशंसित पांच खेल विषयों में से एक था और इसे मुंबई में अपनी कार्यकारी बैठक के दौरान शीर्ष ओलंपिक निकाय द्वारा अनुमोदित किया गया है। 2028 में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट के साथ-साथ बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल (नॉन-कॉन्टैक्ट अमेरिकन फुटबॉल), स्क्वैश और लैक्रोस सहित चार नए खेल भी शामिल किए जाएंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में, एलए 2028 खेलों के आयोजकों ने इस आयोजन में क्रिकेट, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस, स्क्वैश और बेसबॉल-सॉफ्टबॉल को जोड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। आईओसी के नियमों के अनुसार, प्रत्येक मेजबान शहर को खेलों के अपने संस्करण के लिए कई खेलों को शामिल करने का अनुरोध करने का अधिकार है। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के अंत में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इन प्रस्तावों को आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने एक पैकेज के रूप में स्वीकार कर लिया है।' ओलंपिक में इन खेलों की स्थिति को अंतिम रूप देने में अगला कदम रविवार से शुरू होने वाला आईओसी सत्र होगा। आईओसी सत्र में बोर्ड की सिफारिश पर मुहर लगाने की आवश्यकता होगी।

दुनिया में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने की बात करते हुए आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि ओलंपिक समिति आईसीसी के साथ काम करेगी न कि किसी देश के व्यक्तिगत क्रिकेट अधिकारियों के साथ। उन्होंने कहा, 'आईसीसी के सहयोग से हम देखेंगे कि क्रिकेट को और अधिक लोकप्रिय कैसे बनाया जा सकता है।' गौरतलब है कि भारत में क्रिकेट को बड़े पैमाने पर लोकप्रियता हासिल है। टीम खेल में वैश्विक स्तर पर दर्शकों की संख्या भी बढ़ रही है। 128 साल बाद इस खेल की वापसी होने जा रही है। आखिरी बार ओलिंपिक में यह 1900 को खेला गया था।

भारतीय हॉकी स्टार श्रीजेश ने केरल सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी खिलाड़ी पी आर श्रीजेश ने बृहस्पतिवार को केरल सरकार पर खिलाड़ियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जब से वह चीन से लौटे हैं तो स्थानीय निकायों से भी कोई उनसे मिलने नहीं आया है।

हॉकी खिलाड़ी के दावों को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने खारिज करते हुए कहा कि वामपंथी सरकार राज्य के खिलाड़ियों को हर तरह का समर्थन एवं प्रोत्साहन प्रदान कर रही है।

श्रीजेश ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अब जो व्यवहार मिलता है उसे अगली पीढ़ी देख रही है और यह उनके फैसले को प्रभावित करेगा कि उन्हें खेल के मैदान में उतरना है या नहीं। उन्होंने, इस तरह के व्यवहार से वे निराश हो सकते हैं और खेल के बजाय नौकरी पाने के लिए पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं।

भारत के खिलाफ महामुकाबले से पहले बाबर आजम की प्रेस कॉन्फ्रेंस, दिए कई सवालों के जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का मानना है कि विश्व कप में भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले बहु प्रतीक्षित मैच के परिणाम का उनकी कप्तानी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले दोनों टीम के कप्तानों पर दबाव है क्योंकि किसी भी टीम के प्रशंसक अपनी टीम को हारता हुआ नहीं देखना चाहते हैं। बाबर ने हालांकि जताया कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। यह अलग बात है कि इस मैच के नतीजे का उनकी कप्तानी पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित सवाल पर वह खुश नहीं दिखे।

बाबर ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा,"मुझे कभी इस बात की चिंता नहीं रही कि इस एक मैच के कारण मैं अपनी कप्तानी गंवा दूंगा। खुदा ने मेरी किस्मत में जो कुछ लिखा होगा वह मुझे मिलेगा। मैं जिसका हकदार हूं वह मुझे मिलेगा। मुझे एक मैच के कारण कप्तानी नहीं मिली और मैं एक मैच के कारण उसे गंवाऊंगा भी नहीं।"

आईसीसी की प्रतियोगिताओं में भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया। उनका मानना है कि आईसीसी प्रतियोगिताओं से इतर भारत के खिलाफ नहीं खेलना इसका एक कारण है।

बाबर ने कहा," विश्व कप में मेरा रिकॉर्ड अभी वैसा नहीं है जैसा कि होना चाहिए, लेकिन उम्मीद है कि अगले मैच में आपको कुछ अंतर नजर आएगा। भारत के खिलाफ हम केवल विश्व कप में ही एक दूसरे का सामना करते हैं। ऐसे में हमें एक दूसरे के खिलाफ खेलने का लंबे अंतराल में मौका मिलता है। मेरे खराब रिकॉर्ड का कारण गेंदबाज नहीं हैं। कई बार मैंने अपनी गलतियों से विकेट गंवाया"

पाकिस्तान की हौसला अफजाई करने के लिए चाचा शिकागो वशीर को छोड़कर पाकिस्तान का कोई भी प्रशंसक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद नहीं रहेगा। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के दबाव से जुड़े सवाल पर बाबर ने कहा,"इसको लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है क्योंकि हम पहले भी खचाखच भरे स्टेडियम में खेलते रहे हैं। हम एमसीजी और अन्य बड़े स्टेडियमों में लाखों दर्शकों के सामने खेले हैं। मैं जानता हूं कि स्टेडियम भारतीय दर्शकों से भरा रहेगा। यदि पाकिस्तानी दर्शकों को यहां आने की अनुमति मिलती है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा।"

उन्होंने कहा,"जब हम हैदराबाद पहुंचे तो हमें वहां काफी समर्थन मिला। मुझे लगता है कि वहां पाकिस्तान की टीम के काफी समर्थक थे और मुझे यहां भी ऐसी उम्मीद है। " मोहम्मद रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ जीत गाजा के 'भाइयों और बहनों ' को समर्पित की थी।बाबर से जब इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा,"मेरा मानना है कि बेहतर यही होगा कि हम क्रिकेट पर बात करें। आप हमारी बातचीत को दूसरी दिशा में ले जा रहे हैं।"

बाबर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को तेज गेंदबाज नसीम शाह की कमी खल रही है जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा,"हमें नसीम शाह की बहुत कमी खल रही है। जिस तरह से उसने एशिया कप में प्रदर्शन किया, जिस तरह से वह लगातार अपने खेल में सुधार कर रहा है तो एक टीम के रूप में और कप्तान के रूप में हमें उसकी बहुत कमी खल रही है।

आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान भारत में खेलने से डर रहे हैं क्रिस वोक्स, कहा-यहां खेलना चुनौती

नयी दिल्ली। ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने कार्य की कठिनता को स्वीकार करते हुए कहा कि इंग्लैंड मौजूदा विश्व कप में भारत को करारी शिकस्त देने में सक्षम है। भारत ने प्रत्येक चार साल में होने वाले विश्व कप में अपने अभियान का आगाज शुरुआती दो मैच में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ दो आसान जीत के साथ किया। गत चैंपियन इंग्लैंड हालांकि बांग्लादेश को मात देने से पहले न्यूजीलैंड से हार गया।

'स्काई स्पोर्ट्स' ने वोक्स के हवाले से कहा, "भारत में जीतना बेहद कठिन चुनौती है। मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप की टीमें घरेलू परिस्थितियों में अधिक सहज महसूस करेंगी।" इंग्लैंड की 2019 की विश्व चैंपियन टीम के सदस्य वोक्स ने हालांकि कहा कि उनके पास भारत को मात देने की क्षमता है। भारत और हमारे पास प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम टीम और खिलाड़ी हैं।" उन्होंने कहा, "लोगों ने कुछ समय से हमें

इंग्लैंड 29 अक्टूबर को लखनऊ में आमने-सामने होंगे। वोक्स ने कहा, "इससे हमारे लिए उन्हें उनकी सहजता से बाहर करना बेहद कठिन हो जाता है। लेकिन देखा है और सफेद गेंद के प्रारूप की टीम के रूप में दुनिया भर में हमारे से कुछ उम्मीदें हैं।"

वारविकशर के इस खिलाड़ी ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इंग्लैंड को खिलाड़ियों से अपेक्षाओं पर काबू पाना होगा। वोक्स ने कहा, "जीतने के लिए यह एक कठिन प्रतियोगिता है, क्या ऐसा नहीं है? खासकर यहां। लेकिन हम अच्छी चुनौती देंगे। हम एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं। स्वाभाविक रूप से लोगों को हमारे से उम्मीदें हैं और हमें निश्चित रूप से खुद से उम्मीदें हैं।" अपने अगले मुकाबले में इंग्लैंड रविवार को नई दिल्ली में अफगानिस्तान से भिड़ेगा। वोक्स ने कहा कि वह अपने गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "मुझे निश्चित रूप से लगता है कि मैं थोड़ा बेहतर गेंदबाजी करना पसंद करता। लेकिन यह लंबी प्रतियोगिता है और आप इतनी जल्दी शीर्ष स्तर पर नहीं पहुंचना चाहते।

आईसीसी विश्व कप के महामुकाबले से पहले पाक की टीम ने की प्रैक्टिस, स्पिनरों ने किया 'स्पॉट' गेंदबाजी का अभ्यास

अहमदाबाद। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज, लेग स्पिनर शादाब खान और कामचलाऊ लेग स्पिनर इफ्तिखार अहमद ने भारत के खिलाफ 14 अक्टूबर को होने वाले विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले गुरुवार को यहां 'स्पॉट' गेंदबाजी का अभ्यास किया। इन तीनों स्पिनर ने मुख्य नेट पर बल्लेबाजों को गेंदबाजी नहीं की बल्कि उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में 'स्पॉट' गेंदबाजी करने पर ध्यान दिया। पूर्व में कभी इस तरह का अभ्यास किया जाता था लेकिन फिलहाल ऐसा अभ्यास करना खास चलन में नहीं है। मोर्कल ने छह मीटर और चार मीटर की रेंज के आसपास मार्कर के रूप में मेंप्लास्टिक स्टंप लगाए।

विश्व कपः पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बोले रोहित शर्मा, गिल 99प्रतिशत उपलब्ध, मनोवैज्ञानिक बढ़त से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के बहुप्रतीक्षित आईसीसी विश्व कप 2023 मैच के लिए शुभमन गिल की संभावित वापसी का संकेत दिया। भारतीय कप्तान ने घरेलू मैदान पर बढ़त की बात को भी खारिज कर दिया और कहा कि टूर्नामेंट में शुरुआती दो मैच जीतकर दोनों टीमें प्रबल दावेदार के रूप में खेल में उतरेंगी। शुक्रवार को अहमदाबाद में प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, रोहित ने खुलासा किया कि गिल पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए 99ड्ड उपलब्ध हैं। गिल, भारत के शीर्ष क्रम के एकदिवसीय बल्लेबाज, डेंगू बुखार के कारण शुरुआती दो मैचों में नहीं खेल पाए और उनके संभावित शामिल होने से महत्वपूर्ण गेम में मेन इन ब्लू को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही रोहित ने कहा कि मैं मनोवैज्ञानिक

फायदे में विश्वास नहीं करता। अतीत में जो हुआ, वह अतीत है। दोनों टीमें प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी, दोनों समान रूप से बेहतर हैं। हमें अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है और गति को आगे बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है और इस गति को आगे बनाए रखना महत्वपूर्ण है। हम लय में विश्वास करते हैं। हमारे गेंदबाज हाल ही में अच्छी लय में हैं, उन्होंने दबाव को अच्छी तरह से संभाला और बहुत कुछ सीखा। हम हमेशा सही बक्सों पर टिक लगाने पर चर्चा करते हैं। विश्व कप में इसके साथ जाना अच्छा है। इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि मुझे लगता है कि अतीत में जो हुआ वह महत्वपूर्ण नहीं है। हम वर्तमान में जीना चाहते हैं। मुझे लगता है कि हम अच्छा कर सकते हैं। भारत-पाकिस्तान मैच जोरदार है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में प्रशंसक आ रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास प्रशंसकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने का अवसर है। हम उसी के अनुसार योजना बनाएंगे क्योंकि पहले 10 ओवर में विकेट अलग होता है और 10 ओवर के बाद अलग होता है। इसलिए, हमें उसके अनुसार योजना बनानी होगी। हमें नसीम शाह की कमी खलेगी।

डी कॉक ने जड़ा लगातार दूसरा शतक, कहा परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन किया

लखनऊ। लगातार दूसरा शतक जड़कर गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया पर 134 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले क्विंटन डिकॉक ने कहा कि उनकी टीम परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन किया और वे अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेले। दक्षिण अफ्रीका के 312 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम कागिसो रबादा (33 रन पर तीन विकेट), केशव महाराज (30 रन पर दो विकेट), तबरेज शम्सी (38 रन पर दो विकेट) और मार्को यानसेन (54 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने 40.5 ओवर में 177 रन पर ढेर हो गई।

मैच में 109 रन की पारी खेलने वाले डिकॉक ने दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद कहा, "लड़कों के लिए एक शानदार जीत, परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन किया, उसके अनुसार खेला, अपने मजबूत पक्षों पर टिके रहे और शीर्ष पर आए।" उन्होंने कहा, " उनकी टीम मजबूत थी इसलिए हमने अपने

स्कोरिंग विकल्पों का आकलन किया।" इकाना स्टेडियम डिकॉक की आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपरजाइंट्स का घरेलू मैदान है और उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक स्कोर खड़ा किया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए डिकॉक ने कहा, "निश्चित रूप से यह प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन थे। लखनऊ टीम के साथ देखा गया है कि रात में रन बनाना कठिन हो जाता है और यह साबित को गया।"

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा ने भी डिकॉक से सहमति जताते हुए कहा, "311 रन प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन थे। 290 से 300 का स्कोर बराबरी का होता। टॉस हारने से खुशी हुई क्योंकि चीजें हमारे पक्ष में रहीं।" ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उन्हें लगा कि इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कमिंस ने कहा, "क्विनी (डिकॉक) ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। वे जिस स्थिति में थे उसे देखते हुए हम 310 रन से खुश थे। हमें लगा कि इसका पीछा किया जा सकता है लेकिन हम लक्ष्य से काफी दूर थे।"

शुबमन गिल के नाम एक और उपलब्धि, बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बल्लेबाज शुबमन गिल ने सितंबर महीने के आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड अपने नाम किया है। गिल को ये अवॉर्ड सितंबर में भारत की एशिया कप जीत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। गिल ने मोहम्मद सिराज और इंग्लैंड के डेविड मलान को पछाड़ते हुए अपना 2023 का दूसरा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड अपने नाम किया है। सिराज और मलान ने भी सितंबर महीने में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। शुबमन गिल फिलहाल डेंगू से उबर रहे हैं और इसकी वजह से आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ हुए भारत के पहले दो मैचों में नहीं खेल पाए। शुबमन का पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में अभी भी तय नहीं है।

भारत बनाम पाक के बीच मुकाबले से पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाहर चाकचौबंक हुई सुरक्षा व्यवस्था, किले में तब्दील हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट का सबसे बड़ा और महा मुकाबला शनिवार 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच होने जा रहा है। दोनों टीमों ने विश्व कप 2023 में शानदार आगाज किया है। पहले दो मुकाबलों में दोनों टीमों को जीत मिली है। अब भारत और पाकिस्तान शनिवार को होने वाले मैच में जीत की हैट्रिक लगाने उतरेंगी।

गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाला ये मैच दोनों ही टीमों के लिए बेहद खास है। इस विश्व कप के मुकाबले से पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कई गतिविधियां हो रही है। इस मैच से पहले स्टेडियम के बाहर भी कई सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे है। स्टेडियम के बाहर भारी संख्या में सुरक्षा बल मौजूद है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की ओर जाने वाली रोड को शनिवार की सुबह ही बंद कर दिया जाएगा। सिर्फ परमिट वाले दर्शकों, अधिकारियों को ही बैरिकेडिंग के आगे जानेकी अनुमति उपलब्ध होगी। मैच के मद्देनजर सुरक्षा बेहद कड़ी रहेगी। जानकारी के मुताबिक इस दौरान लगभग 20,000-25,000 से अधिक का स्टाफ होगा, इससे भी अधिक हो सकता है। मैच के दौरान स्टेडियम के आसपास कर्मचारियों की कोई कमी नहीं होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को देखते हुए स्टेडियम के चारों ओर चेतक कमांडो की चार टीमें अंदर से आयोजन स्थल की सुरक्षा करेंगी और प्रत्येक टीम के पास एक बख्तरबंद वाहन होगा। पूरी तरह से काली वर्दी पहने कमांडो को कुछ दूरी से भी नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। स्टेडियम के आसपास तैनात कर्मचारियों ने अपने हथियारों का निरीक्षण भी किया है। गौरतलब है कि चेतक कमांडो की टीम को आमतौर पर चरम और संवेदनशील स्थितियों के लिए बुलाया जाता है। स्टेडियम के आसपास हर जोन में बुलेट प्रूफ वाहन भी तैनात होंगे। स्टेडियम के आसपास ही साइबर क्राइम, क्राइम ब्रांच, आर्थिक अपराध शाखा और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की विभिन्न टीमें भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद होंगी। बता दें कि कल शाम जब पाकिस्तान क्रिकेट टीम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा के बीच अभ्यास कर रही थी तो बीसीसीआई सचिव जय शाह ने खुद स्थिति और तैयारियों का जायजा लिया था।

वनडे वर्ल्ड कप के सबसे बेस्ट बॉलर साबित हो रहे दिलशान मदुशंका, आंकड़े दे रहे गवाही

वर्ल्ड कप का आगाज श्रीलंकाई टीम के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ है. लेकिन इस टीम के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका ने खासा प्रभावित किया है. दरअसल, दिलशान मदुशंका के आंकड़े बताते हैं कि वह वर्ल्ड कप में बेहद प्रभावशाली रहे हैं. अब तक इस वर्ल्ड कप में दिलशान मदुशंका ने 24 ओवर फेंके हैं. इन 24 ओवरों में दिलशान मदुशंका ने 6 विपक्षी बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है. जबकि दिलशान मदुशंका की एवरेज 26.67 की रही है.

कोलारस से बसपा के टिकिट से दावेदारी कर रहे नवल सिंह को मिल रहा सभी समाजो का भारी समर्थन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी दावेदार अपनी अपनी दावेदारी मैं कोई कसर नही छोड़ रहे है हर प्रत्याशी अपनी विधानसभा को जीतने के लिए हर कोशिश कर रहा है वही शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा से बसपा प्रत्याशी नवल सिंह धाकड़ को सभी समाजों का भारी सपोर्ट मिल रहा है और वह अपनी विधानसभा में खुलकर दावेदारी कर रहे हैं आपको बता दें कि जहां एक तरफ कांग्रेस से बैजनाथ यादव चुनावी मैदान में तैयार हैं नहीं बीजेपी ने अभी तक अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है और बसपा उम्मीदवार अपनी दावेदारी में

किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं बसपा प्रत्याशी नवल सिंह धाकड़ अपनी विधानसभा क्षेत्र में जमकर तैयारी कर रहे हैं और लगातार क्षेत्र में दौरे कर रहे हैं कोलारस विधानसभा में धाकड़ समाज के 15000 वोट और बसपा पार्टी के 20000 वोटो के साथ दावेदारी कर रहे नवल सिंह धाकड़ की अन्य समाजों में भी पकड़ है और वह अपने क्षेत्र में काफी सक्रिय रहते हैं इसके अलावा वह जनता से जुड़ी समस्याओं के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं इसलिए कहीं ना कहीं कोलारस विधानसभा की जनता भी अपने क्षेत्र में ऐसे नेता को पसंद कर रही है जो क्षेत्र की जनता के मुद्दों और समस्याओं पर जनता के साथ खड़े होकर मुकाबला करने के लिए तैयार रहते हैं

शिवपुरी पुलिस की अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही, पुलिस थाना देहात द्वारा कार्यवाही करते हुये हथियार बंद बदमाश को मय 315 बोर के देशी कट्टे व दो जिन्दा राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार ।

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा आगामी चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग शिवपुरी के मार्गदर्शन मे थाना देहात द्वारा चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ कारोवार, अवैध हथियार, अवैध शराव संवंधी बदमाशों की धरपकड़ हेतु अभियान के पालन में आज दिनांक 16.10.2023 को थाना देहात पर मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति गौशाला के पास अपनी कमर मे अवैध कट्टा खुरसे हुये कोई वारदाद को कारित करने की नियत से घूम रहा है । सूचना मिलते ही थाना देहात पुलिस द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान पर पुलिस टीम को रबाना किया । पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मुखबिर के बताये हुलिये का एक व्यक्ति दिखा जो पुलिस को आता देख भागने लगा जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा नाम पता पूछने पर अपना नाम आकाश पुत्र परमानंद जोगी उम्र 20 साल निवासी गणेशगली पुरानी शिवपुरी का होना बताया और तलासी ली तो उसके पास से एक 315 बोर का देशी कट्टा एवं दो जिंदा राउण्ड मिले जिन्हे जप्त कर आरोपी के खिलाफ थाना देहात पर धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट का प्रथम रेण्डमाईजेशन आज

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु 17 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनों के प्रथम रेण्डमाईजेशन की कार्यवाही श्वस्र्ऽ 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष किया जाना है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार चौधरी ने समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्धारित दिनांक, स्थान व समय पर ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनों के प्रथम रेण्डमाईजेशन की कार्यवाही के लिये उपस्थित रहने के निर्देश दिए है।

आगामी त्योहारों एवं विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन मे

जिले मे शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक ली एवं आवश्याक दिशा निर्देश दिये

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी,। दिनांक 16.10.2023 को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह के निर्देशन मे समस्त थाना स्तर पर शांति समिति की मीटिंग बुलाई गई । पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को आगामी त्योहारों एवं चुनावों के चलते क्षेत्र मे शांति बनाये रखने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है । जिसके चलते आज थाना स्तर पर क्षेत्र मे शांति समिति के सदस्यों की मीटिंग ली गयी है । शांति समिति की मीटिंग मे सभी समाजों के गणमान्य नागरिक नागरिक एवं शांति समिति के

सदस्य उपस्थित हुये । इस बैठक में आगामी त्योहारों को शांति एवं सद्?भाव पूर्ण मानये जाने हेतु चर्चा की गयी, जिसके समी लोगों ने अपनी सहमति दी । आगामी त्योहारों नव दुर्गा, दशहरा, दिपावली एवं चुनावों पर क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चर्चा की गयी । पुलिस द्वारा समस्त आमजन से अपील की है कि आगामी त्योहारों एवं चुनावों मे शांति व्यवस्था बनाये रखें व आपसी मेल जोल व सदभावना के साथ त्योहारों को मनाये । यदि कोई व्यक्त शांति सदभाव को बिगाड़ता है तो उसके खिलाफ शख्त से शख्त कानूनी कार्यवाही की जावेगी ।

कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति की वजह से स्व. भुनेश्वर साहू को न्याय नहीं मिला, न्याय के प्रतीक के रूप में ईश्वर साहू को टिकट

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति के चलते भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई। छत्तीसग? को फिर से एक बार कौमी दंगों का केंद्र बनाना चाहते हैं? भुनेश्वर साहू को न्याय मिलना चाहिए। भूपेश बघेल सरकार ने तुष्टीकरण के लिए, वोट बैंक की राजनीति के लिए छत्तीसगढ़ के बेटे भुनेश्वर साहू को लिंचिंग कर मार दिया। भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि भुनेश्वर साहू के हत्यारों को उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे। उनके प्रतीक के रूप में उनके पिता ईश्वर साहू को हमने चुनाव के मैदान में उतारा है। अगर कांग्रेस फिर से सत्ता में आती है तो यही तुष्टीकरण कांग्रेस पार्टी आगे ब?ाएगी।

छत्तीसगढ़ के लोगों के हक की पाई-पाई भ्रष्टाचारियों से वसूलेंगे-श्री शाह ने विश्वास दिलाया कि एक बार कमल फूल सरकार बना दो, जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है, उनसे पाई पाई उनसे वसूलेंगे और उनको उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी।

10 साल में कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को दिए केवल 77 हजार करोड़ रुपए, मोदी जी ने 9 साल में 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दे डाले

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमने पूरे देश का सम्मान बड़ाया। अभी-अभी विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत माता-बहनों को आरक्षण देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया। चंद्रयान भेजा, जी-20 सम्मेलन किया। इसी तरह छत्तीसगढ़ के लाभार्थियों को मोदी सरकार की योजनाओं का फायदा मिला है। राजनांदगांव में मेडिकल कॉलेज 370 करोड रुपए का, 40 करोड़ के शिवनाथ प्रवर्तन योजना, 15 करोड रुपए मातृशक्ति के लिए अस्पताल, 13 करोड रुपए एजुकेशन के लिए, 10 करोड रुपए मॉडल कॉलेज के लिए दिए गए हैं। वंदे भारत ट्रेन की सौगात भी मोदी सरकार ने दी है। 2004 से 14 तक केंद्र में यूपीए की सरकार थी, कांग्रेस की सरकार थी। क्या दिया उस सरकार ने छत्तीसगड़ कोड़ 2004 से 14 तक केवल 77 हजार करोड़ रुपये छत्तीसगड़ को 10 साल के अंदर दिए, वहीं केंद्र की मोदी सरकार ने तीन लाख करोड़ से भी अधिक राशि छत्तीसगड़ को दी।

प्रत्याशी घोषित करने से भी डर रही है कांग्रेस, प्रत्याशियों के नाम की जगह आ रही है तारीख पे तारीख - साव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तारीख-पर-तारीख देते रहने वाली कांग्रेस ने ले-देकर अभी भी सिर्फ 30 प्रत्याशी ही घोषित कर पाई है। उसमें भी कांग्रेस के 8 मौजूदा विधायकों की टिकट कट चुकी है। इससे स्पष्ट हो गया है कि पूरे छत्तीसगढ़में कांग्रेस के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है और पूरा छत्तीसगढ़ एक स्वर में कह रहा है- अऊ नइ सहिबो, बदल के रहिबो। श्री साव ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने प्रदेश का खजाना लूटने का काम किया और छत्तीसगढ़ के लोगों की गाड़ी कमाई का पैसा लूटकर दिल्ली दरबार की तिजोरी भरने का काम अपने पूरे शासनकाल में किया। अब प्रदेश की जनता ने इस सरकार को सबक सिखाने का संकल्प ले लिया है। कांग्रेस की भूपेश सरकार के जाने का समय आ गया है। श्री साव ने उपस्थित जन समूह से भाजपा के प्रत्याशियों को बारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ को दी गई सौगातें

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि किसानों को सम्मान निधि दी, 24 लाख घरों में पीने का पानी पहुंचाया, 2 करोड़ गरीब छत्तीसगढ़ वासियों को 5 लाख तक का पूरा स्वास्थ्य का खर्चा मोदी सरकार ने उठाया। 38 लाख घरों में शौचालय का निर्माण किया। उज्ज्वला गैस सिलेंडर दिया और 11 लाख लोगों को घर भी देने का काम बीजेपी की सरकार ने किया। श्री शाह ने कहा कि जिन्होंने यहां एटीएम लगाकर छत्तीसगढ़ की जनता का पैसा दिल्ली के दरबार में कांग्रेस कार्यालय में पहुंचाने का काम किया, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के भविष्य को पूरी तरह बर्बाद किया है, वह भूपेश बघेल को फिर से मौका दे सकते हैं क्याड़ श्री शाह ने कहा कि जिस तरह से भुनेश्वर साहू को रौंद-रौंदकर मार डाला गया, उस सरकार को मौका देना है क्या

नवरात्र में सहालग के लिए गहनों की शुरू हुई खरीद, एंटिक व टेंपल ज्वैलरी की बढ़ी मांग

ग्वालियर.। नवरात्र के पहले दिन सराफ बाजार में बूम आ गया। पहले दिन ही सोने चांदी की दुकानों पर जमकर खरीदारी हुई। अनुमान लगाया जा रहा है कि पहले दिन करोड़ों रूपये के गहने बिके हैं, जिससे सराफा कारोबारियों के चेहरे पर रौनक आ गई। नवरात्र में वे लोग खरीदारी करने के लिए पहुंचे जिनके घर में सगाई है विवाह की तैयारियां चल रही है। लोगों ने ज्वैलरी में सोने चांदी के अलावा हीरे के गहनों की भी जमकर खरीदारी की। इन दिनों सबसे अधिक मांग टेंपल ज्वैलरी, एंटिक ज्वैलरी और अलग अलग शहरों से आने वाले डिजाइनर गहनों की मांग बढ़ी है।

छत्तीसगढ़ के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ा वर्ग के युवाओं, बहनों के अधिकार का पैसा कांग्रेस ने दिल्ली दरबार भेजा - अमित शाह

भाजपा सरकार आने के बाद छत्तीसगढ़ के लोगों के हक की पाई-पाई भ्रष्टाचारियों से वसूलेंगे - अमित शाह

आने वाला चुनाव प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भविष्य वाले छत्तीसग? बनाने का - अमित शाह

आप सबका जोश और बड़ी संख्या में उपस्थिति देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि आगामी 3 दिसम्बर को छत्तीसग? में कमल खिलने वाला है

प्रत्याशी घोषित करने से भी डर रही है कांग्रेस, प्रत्याशियों के नाम की जगह आ रही है तारीख पे तारीख - साव

पाँच साल में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने राजनांदगांव व प्रदेश के साथ छल किया, धोखा किया - डॉ. रमन

कांग्रेस का घोषणा पत्र दुनिया का सबसे झूठा दस्तावेज, कांग्रेस ने गंगाजल की गरिमा गिराने का काम किया - सरोज पांडेय

मोदी जी के नेतृत्व में वैक्सीन निर्माण न हुआ होता तो आज हम यहां न बैठे होते - संतोष पांडेय

रायपुर/राजनांदगाँव। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजनांदगाँव की विराट जनसभा में हुँकार भरते हुए यह कहा कि आप सबका जोश और बड़ी संख्या में उपस्थिति देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि आगामी 3 दिसम्बर को छत्तीसग? में कमल खिलने वाला है। राजनांदगाँव जिले की चार विधानसभा सीटों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सहित चारों प्रत्याशियों के नामांकन दाखिले के लिए पहुँचे श्री शाह ने इससे पहले हुई सभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसग? में चुनाव की घोषणा के बाद पहली बार इतनी बड़ी सभा हो रही है, तब छत्तीसग?वासियों को याद रखना चाहिए कि छत्तीसग? को हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी वाजपेयी ने बनाया। कांग्रेसियों के शासनकाल में पुराने मध्यप्रदेश में छत्तीसग? बीमारू राज्य बनकर ख?ा था। छत्तीसग? में भाजपा की सरकार बनी और डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने, तब 15 साल में इस बीमार राज्य को विकसित बनाने का काम डॉ. रमन सिंह ने किया।

गृह मंत्री शाह ने याद दिलाए भाजपा सरकार के ऐतिहासिक कार्य-केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि 15 साल में राजनंदगांव हो या छत्तीसगढ़ के पिछड़ा वर्ग बहुल क्षेत्र हो, दलित भाई जहां रहते हों वह क्षेत्र हो, हर क्षेत्र को संपूर्ण विकसित करने का काम भाजपा सरकार ने किया। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा को राजभाषा का दर्जा देने का काम भाजपा सरकार ने किया, किसानों को 14 प्रतिशत ब्याज से मुक्त करने का काम रमन सिंह की सरकार ने किया। पीडीएस की सबसे अच्छी व्यवस्था देशभर में कहीं लागू हुई तो वह छत्तीसगढ़ में हुई और डॉ. रमन सिंह को चावल वाला बाबा कहकर पुकारा गया। ट्राइबल, ओबीसी और दलित को अपने अधिकार देने का काम किया और छत्तीसगढ़ को हमने विकसित राज्य बनाने के लिए ढेर सारे कदम उठाए।

आने वाला चुनाव प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भविष्य वाले छत्तीसगढ़ बनाने का केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भूपेश बघेल ने 5 साल में क्या किया, इसका जरा हिसाब-किताब जनता के सामने आना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव एक सरकार बनाने भर का चुनाव नहीं है, आने वाला चुनाव विधायक चुनने का चुनाव नहीं है, आने वाला चुनाव प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भविष्य वाले छत्तीसगढ़ बनाने का चुनाव है। हर छत्तीसगड़िया को अपना वोट प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम छत्तीसगढ़ बनाने के लिए देना है।

भाजपा सरकार में छत्तीसगढ़ रहा पहला नंबर्-केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे 15 साल के शासनकाल में खाद्य और पोषण सुरक्षा देने में, कौशल विकास कर उसका अधिकार देने में, डेड़ सौ दिन तक रोजगार देने में, महिला मजदूरों को मातृत्व अवकाश देने में, एजुकेशन हब बनाने में, पॉवर हब बनाने में, आईआईटी, लाइवलीहुड कॉलेज बनाने में पहले स्थान पर रहा।

कांग्रेस ने लूटा छत्तीसगढ़ का खजाना, दिल्ली दरबार का बना एटीएम-श्री शाह ने सवाल किया कि भूपेश सरकार ने क्या किया? भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस के दरबार का एटीएम बनाकर रखा। छत्तीसगढ़ के आदिवासी युवाओं के अधिकारों का पैसा दिल्ली दरबार में कांग्रेस की तिजोरी जाता है, दलित युवा का पैसा दिल्ली दरबार कि कांग्रेस की तिजोरी में जाता है, और पिछ?ा वर्ग के युवाओं बहनों के अधिकार का पैसा भी इनके एटीएम के थ्रू दिल्ली में जाता है। पटवारी से मुख्यमंत्री तक का पूरा करप्शन चौन बना दिया है, जो दिल्ली तक जाता है। श्री शाह ने कहा कि शर्म आनी चाहिए कांग्रेस पार्टी को।

कांग्रेस राज में केवल घोटाले ही घोटाले-केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि घोटाले की इतनी बड़ी सूची सार्वजनिक जीवन में कहीं नहीं देखी। शराब घोटाला 2000 करोड रुपए, उनके ऑफिस के अधिकारी जेल जाते हैं। परिवहन घोटाला साढे 500 करोड रुपए का किया। प्रधानमंत्री गरीब अन्नश्री योजना में 5000 करो? के चावल का घोटाला किया। 1300 करोड से ज्यादा रुपए का गौठान घोटाला किया, 600 करोड रुपए का पीडीएसफ घोटाला किया, महादेव एप का 5000 करोड रुपए का घोटाला करने का काम इस भूपेश सरकार ने किया है। श्री शाह ने तंज कसा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने तो बच्चों की नौकरियों को भी नहीं छोड़ा। पब्लिक सर्विस कमीशन का घोटाला कर बच्चों की नौकरियों में भी कमीशन लेने का काम किया है।

क्या हुआ कांग्रेस द्वारा किए वादों का-श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव में ढेर सारे जो वादे किए, वह अब तक पूरे नहीं किए। महिलाओं को महतारी सम्मान योजना देना था, जो नहीं दिया गया। क्या हुआ मुफ्त गैस सिलेंडर देने के वादे का? शहरी क्षेत्र में संपत्ति कर 50 प्रतिशत कम करने का वादा किया था। राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने वाले थे पर क्या किया? बिजली का बिल आधा करने वाले थे, उसका क्या किया? मुख्यमंत्री को छत्तीसग? की जनता को इसका हिसाब देना चाहिए। भूपेश सरकार के शासन में ना दलित खुशहाल है, ना आदिवासी खुशहाल है, ओबीसी भी खुशहाल नहीं है। माता बहनों की तो बात ही मत करिए, युवा और किसान भी परेशान हैं। खुशहाल है तो गांधी परिवार अकेला खुशहाल है, और कोई नहीं।

भाजपा को झटका पूर्व विधायक ,रसाल सिंह बसपा में शामिल

महेंद्र शर्मा ऑफ संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ग्वालियर-चम्बल अंचल की सियासत में भारतीय जनता पार्टी का चर्चित चेहरा चार बार विधायक और एक बार नगर पालिका अध्यक्ष रहे कद्दावर नेता रसाल सिंह ने अंततः सोमवार को भाजपा को बहुजन समाज पार्टी का दामन थामते हुए लहार विधान सभा सीट से चुनावी रण में उतरने का ऐलान कर दिया। उन्होंने सोमवार दोपहर लहार स्थित बांके बिहारी गार्डन में आयोजित बहुजन समाज पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में बसपा प्रदेश प्रभारी सुनील बघेल और जोन प्रभारी दिलीप बौद्ध की मौजूदगी में बसपा की सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले रविवार को सुबह उन्होंने भाजपा से त्यागपत्र दे दिया था। आज उनके साथ उनके भाई योगेन्द्र सिंह पप्पू, भाजपा सकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष भुजबल सिंह तोमर मंडल अध्यक्ष जबर सिंह सहित अन्य पंचायत, नगरीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने भी बसपा की सदस्यता ग्रहण की।रविवार को उन्होंने भाजपा से त्यागपत्र देते हुए कहा था कि वे भारी मन से अपनी पितृ संस्था भाजपा को अलविदा कह रहे हैं। अपने त्यागपत्र में उन्होंने भाजपा द्वारा विधान सभा चुनाव के मद्दे नजर चुनावी रण में उतारे गए प्रत्याशी को लेकर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि जो नेता भाजपा संगठन के साथ गद्दारी कर अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए खुद दूसरे सियासी दल से चुनाव मैदान में उतरा, भाजपा

संगठन ने उसी को प्रत्याशी बनाया है और उसका प्रचार करना मेरे स्वाभिमान के साथ न्याय नही होगा।पूर्व विधायक रसाल सिंह ने भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया को लिखे पत्र में कहा था कि भाजपा ने लहार विधान सभा सीट से जिस अम्बरीश शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है, उसने दो बार साल 2013 और साल 2018 में मुझे चुनाव हराने के लिए भाजपा संगठन के खिलाफ जाकर काम किया। मैंने संगठन के नीति निर्धारकों को अपनी बात विस्तार से कह दी थी, मैंने कह दिया था कि वर्तमान प्रत्याशी की जगह पार्टी जिसे भी प्रत्याशी बनाएगी, वह सहर्ष उसकी जीत सुनिश्चत करने के लिए प्राणपण से जुट जाएंगे। लेकिन संगठन ने अपनी असमर्थता व्यक्त कर दी। तब मुझे अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए उस संस्था से त्यागपत्र देने का कठोर निर्णय लेना प?ा, जिसके लिए मैंने सारी जिन्दगी संघर्ष किया।गौरतलब है कि पूर्व विधायक रसाल सिंह तत्कालीन रौन विधानसभा सीट से चार बार विधायक और भिण्ड नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। साल 2013 और 2018 में वह भाजपा प्रत्याशी के रुप में लहार विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन अपनी पार्टी के विभीषण के चलते चुनाव हार गए। उनका लहार के अलावा भिण्ड जिले की गोहद, मेंहगांव और भिण्ड विधान सभा सीटों पर प्रभाव है। यदि वह भाजपा छो?ने के बाद किसी अन्य सियासी पार्टी का रुख करते हैं। तो आगामी विधान सभा चुनाव में भाजपा को खतरा पैदा कर सकते हैं।

पीएम, सीएम और सीधी बीजेपी उम्मीदवार के फोटो वाली 56 घड़ी और कंबल बरामद, कांग्रेस ने लगाए आरोप

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

सीधी। सीधी जिले में चुनाव अब सर चढ़कर बोल रहा है, जहां चुनाव का समय आते ही वोटर्स को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रयास किया जा रहे हैं. उसी के तहत भाजपा की सीधी विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी सीधी सांसद रीती पाठक के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो वाली एक घड़ी सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही है, लेकिन यह घड़ी हकीकत में काफी बड़ी मात्रा में आज मिली है.आर्य पैरामेडिकल कॉलेज किया गया सील, रखी गई सामग्री जब्त॒ मामले की जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट विनोद वर्मा को लगी विनोद वर्मा ने तुरंत तहसीलदार, एसडीएम सहित कलेक्टर से इसकी शिकायत की, जहां शिकायत के उपरांत जांच के दौरान पाया गया कि आर्य पैरामेडिकल कॉलेज में भारी मात्रा में घड़ी और कंबल बरामद हुए हैं. इसके आधार पर आर्य पैरामेडिकल कॉलेज को सील कर दिया गया है तथा वहां रखी हुई सामग्री को जब्त कर लिया गया. इसके साथ ही विधानसभा चुनाव निर्वाचन में आचार संहिता का उल्लंघन होने का मामला भी दर्ज किया गया है, ऐसा नायब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरया ने जानकारी दी है. उन्होंने जानकारी देते हुए बताया है कि ÷यह घड़ी लगभग रात में 1 बजे जब्त की गई हैं और कार्रवाई अभी भी जारी है.÷मामले पर कांग्रेस हमलावर॒ फिलहाल इस मामले पर अब कांग्रेस इस पर हमलावर हो गई है, जहां पर कांग्रेस नेताओं ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा लगातार वोटर्स को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रहे हैं और प्रशासन इस पर कोई भी बड़ी कार्रवाई नहीं कर रहा पा रहा है।

शहर की सड़कों पर लग रहा जाम, अवैध पार्किंग और अवैध बाजार बने मुसीबत

लश्कर> लश्कर शहर का सबसे प्रमुख बाजार है। यहां शहर का हृदय स्थल महाराज बाड़ा है। महाराज बाड़े के आसपास के बाजार, जहां सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। यहां नवरात्र से दीपावली तक जमकर भीड़ होगी। अब यहां जाम के हालात बनने लगे हैं। यहां सड़कों पर हाकर्स बैठ रहे हैं। गलत दिशा में गाड़ियां निकल रही हैं। सड़कों पर पार्किंग हो रही है, इसलिए जाम लग रहा है।

मुरार। मुरार में सदर बाजार से लेकर शहीद गेट, बारादरी चौराहा, छह नंबर चौराहा और सात नंबर चौराहे तक जाम लग रहा है। यहां सड़कों पर बाजार लग रहा है। दुकानदारों से लेकर हाकर्स तक ने सड़कों पर सामान रख लिया है। इससे जाम लग रहा है और लोग परेशान हो रहे हैं। मुरार में गोला का मंदिर, मुरार, थाटीपुर सहित आसपास के गांव क् लोग भी खरीदारी करने के लिए आते हैं।

पिछले 30 साल में श्योपुर विधानसभा पर भाजपा का रहा है पलड़ा भारी, दो बार दिया है बीजेपी को झटका

ग्वालियर. । प्रदेश की पहले नंबर की सीट यानि श्योपुर। पहले नंबर की सीट इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र का विधानसभा क्रमांक ही एक है और यह विधानसभा क्षेत्र मुरैना श्योपुर लोकसभा क्षेत्र में आता है। इस सीट की खासबात यह रही है कि पिछले 30 साल में इस विधानसभा सीट पर भाजपा ही सर्वाधिक बार जीती है। इसलिए इसे भाजपा की परंपरागत सीट माना जा सकता है। लेकिन 2008 व 2018 में यहां पर भाजपा को झटका भी लगा है। यानि दो बार कांग्रेस प्रत्याशी भी जीते हैं। इस बार कांग्रेस अपनी सीट बचाने का प्रयास करेगी और भाजपा फिर से इस सटी को अपने कब्जे में करने का प्रयास करेगी। भाजपा व कांग्रेस ने श्योपुर विधानसभा सीट से अपने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने दो बार विधायक रह चुके दुर्गालाल विजय को ही मैदान में उतारा है और कांग्रेस ने बाबू जंडेल को फिर से मैदान में उतारा है। बाबू जंडेल 2018 में कांग्रेस से यहां से जीते थे। ऐसे में यहां पर मुकाबला कांटे का हो सकता है।

1990 गुलाब सिंह भारतीय जनता पार्टी
1993 रमा शंकर भारद्वाज भारतीय जनता पार्टी
1998 बृजराज सिंह स्वतंत्र राजनीतिज्ञ
2003 दुर्गालाल विजय भारतीय जनता पार्टी
2008 बृजराज सिंह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
2013 दुर्गालाल विजय भारतीय जनता पार्टी
2018 बाबू जंडेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

यह है सियासी गणित-श्योपुर विधानसभा में 2 लाख 59 हजार 374 वोटर हैं। श्योपुर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक वोट मीणा समुदाय से है। मीणा समुदाय के वोट करीब 62 हजार हैं। मीणा समुदाय के लोग पूरे चुनाव के परिणाम को बदल देते हैं। श्योपुर क्षेत्र में मीणा समुदाय को भाजपा का परंपरागत वोटर माना जाता था। इसी वजह से भाजपा को यहां पर सर्वाधिक बार सफलता मिली।

पाँच साल में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने राजनांदगांव व प्रदेश के साथ छल किया, धोखा किया - डॉ. रमन

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ
अश्वनी कुमार

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह (राजनांदगाँव से भाजपा प्रत्याशी) ने विधायक और शासनकाल में हुई है। मॉडल कॉलेज का निर्माण, मुख्यमंत्री सड़क योजना में 102 किलोमीटर सड़कों का निर्माण, ऐतिहासिक दिग्विजय स्टेडियम का निर्माण, मोतीपुर अंडरब्रिज का निर्माण, स्थिति करके रख दी कांग्रेस नेड़ भूपेश सरकार ने 5 साल में राजनांदगांव के साथ छल किया है, धोखा किया है। छत्तीसगढ़ के विकास को अवरुद्ध किया है। पाठ्य पुस्तक निगम का रहे है कि आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ में दोबारा नहीं आएंगी। कांग्रेस की सरकार युवाओं का बेरोजगारी भत्ता खा गई। युवाओं का रोजगार छीन लिया। महिलाओं और कराया और दो अति महत्वपूर्ण वैक्सीन का निर्माण हुआ। उसे पूरे विश्व को भेजा। यहां के मंत्री इस वैक्सीन को लेकर दुष्प्रचार करते थे। श्री पांडेय ने सभा में उपस्थित देश के गृह मंत्री श्री प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद मधुसूदन यादव और प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, भाजपा राष्ट्रीय चुनाव

तीन बार मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश की सेवा का अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त कर कहा कि 15 साल के शासनकाल में मुख्यमंत्री के तौर पर जनता की नौकरी करके और राजनांदगांव से विधायक रहते हुए उन्होंने (डॉ. सिंह ने) क्षेत्र का विकास किया है। और पाँच साल में कांग्रेस ने अपने शासनकाल में क्या कियाड़ राजनांदगाँव के साथ पक्षपात करने का प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आते ही यहाँ का विकास रुक गया है। भाजपा की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की उपलब्धि और विकास के लिए प्रतिबद्धता का ही यह सुपरिणाम रहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना भाजपा के जल आवर्धन योजना में काम, अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का निर्माण, पेंडारी में हजार आवास का निर्माण आदि सकारात्मक काम भाजपा की सरकार ने किया और कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश में क्या कियाड़ पाँच साल में राजनांदगांव के साथ छल किया, धोखा किया। पाठ्यपुस्तक निगम का दफ्तर कांग्रेस की भूपेश की सरकार आते ही राजनांदगांव से छिन गया। सड़क, पुल-पुलिया निर्माण का कार्य रुक गया है। राजनांदगांव नगर निगम को कांग्रेस सरकार के रहते 2018 से 2023 के मध्य सिर्फ 39 करोड़ रुपए मिले जबकि भाजपा के कार्यकाल में 2013 से 2018 में 200 करोड़ रुपए मिले थे। यह तुलना है भाजपा और कांग्रेस की सरकार की। आज क्या ऑफिस और सेतु निगम के कार्यालय को राजनंदगांव में बंद करने की दोषी प्रदेश की भूपेश सरकार है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र दुनिया का सबसे झूठा दस्तावेज, कांग्रेस ने गंगाजल की गरिमा गिराने का काम किया - सरोज पांडेय

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र दुनिया का सबसे झूठा दस्तावेज, कांग्रेस ने गंगाजल की गरिमा गिराने का काम किया है। कांग्रेस सरकार ने महिलाओं के साथ बड़ा छल किया प्रदेश की महिलाएं बहुत दुखी हैं। शक्ति और भक्ति के पर्व के अवसर पर हम सब इस संकल्प के साथ विदा हो युवाओं को छलने वाली यह सरकार अब नहीं चाहिए।

मोदी जी के नेतृत्व में वैक्सीन निर्माण न हुआ होता तो आज हम यहां न बैठे होते - संतोष पांडेय

राजनांदगाँव सांसद संतोष पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त, सक्षम और ऊर्जावान नेतृत्व में जी-20 समूह के देशों के सम्मेलन के सफल और सार्थक आयोजन से आज विश्व में भारतवर्ष का डंका बज रहा है। जब पूरे विश्व में कोरोना महामारी के भयावह काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लैब में जाकर देश के वैज्ञानिकों का हौसला बड़ाया, उनको संसाधन उपलब्ध शाह का अभिनंदन कवि भूषण की काव्य पंक्तियों से किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वह भरोसे का सम्मेलन करते हैं जबकि कांग्रेस में किसी को भी किसी पर भरोसा नहीं है तो फिर यह कैसा भरोसे का सम्मेलन ह

सभा को भाजपा की प्रदेश महामंत्री और कवर्धा के भाजपा प्रत्याशी विजय शर्मा, डोंगरगढ़ के भाजपा प्रत्याशी विनोद खाण्डेकर, डोंगरगाँव के भाजपा प्रत्याशी भरत वर्मा, खुज्जी की भाजपा प्रत्याशी गीता साहू, साजा के भाजपा प्रत्याशी ईश्वर साहू, मोहला-मानपुर के भाजपा प्रत्याशी संजीव शाह, खैरागढ़ के भाजपा प्रत्याशी विक्रांत सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी सिध्दार्थनाथ सिंह, नीलू शर्मा, जिलाध्यक्ष रमेश पटेल, सचिन बघेल, संजूनारायण सिंह ठाकुर, आदि उपस्थित थे।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का राजधानी पहुँचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव समेत पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री जगदीश रामू रोहरा, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, सच्चिदानंद उपासने, ललित जैसिंग, अनूप खेलकर, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री विभा अवस्थी, सीमा संतोष साहू, कृतिका जैन, गोविंदा गुप्ता सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना हजीरा पुलिस ने शातिर चोर चिड़िया के एक और साथी को चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्तिगत रखते हुये पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में चोरों एवं नकबजनों की धरपक? हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना हजीरा क्षेत्रांतर्गत इण्डस्ट्रियल एरिया बिरला नगर स्थित फैक्ट्री में विगत दिनों हुई चोरी में लिप्त एक और चोर गदाईपुरा स्थित अपने घर में चोरी का माल रखे हुए है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिस पर से अति0 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर शहर-उत्तर श्री अमृत मीना द्वारा थाना हजीरा पुलिस को उक्त सूचना की तस्दीक कर चोरी में लिप्त उक्त चोर को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी महाराजपुरा श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हजीरा निरी0 तिमेश छारी ने थाना बल की टीम को मुखबिर की सूचना की तस्दीक कर उक्त चोर को चोरी के माल सहित पकड़ने हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर गदाईपुरा स्थित घर से उक्त चोर को पकड़ लिया गया। पकडे.गये चोर से थाना हजीरा के चोरी के प्रकरण के संबंध में पूछताछ की तो उसके द्वारा शातिर चोर चिड़िया तथा अन्य साथियों के साथ मिलकर इण्डस्ट्रियल एरिया बिरला नगर स्थित एसआरजी एल्यूमीनियम प्रा0लि0 फैक्ट्री में चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा उक्त चोर से चोरी के माल के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि चोरी का सामान उसके घर पर रखा हुआ है जिस पर से पुलिस द्वारा पक? गये चोर की निशादेही पर एल्यूमिनियम की 403 किलो सिल्लियां उसके घर से बरामद की गई। थाना हजीरा पुलिस ने विगत दिनों शातिर चोर चिड़िया व उसके दो अन्य साथियों को एसआरजी एल्यूमीनियम प्रा0लि0 फैक्ट्री में की गई चोरी के माल सहित किया

गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में इनके द्वारा अपने एक और साथी के संबंध में जानकारी दी गई थी, जिसे आज दिनांक 16.10.2023 को चोरी के माल सहित उसके घर गदाईपुरा से पकड़ लिया गया। थाना हजीरा पुलिस द्वारा चोरी गया संपूर्ण माल मशरूका बरामद कर लिया है!ज्ञात हो कि दिनांक 26.09.2023 को फरियादी दिलीप आर्य ने थाना हजीरा आकर रिपोर्ट की थी कि इण्डस्ट्रियल एरिया बिरला नगर स्थित एसआरजी एल्यूमीनियम प्रा0लि0 फैक्ट्री में दिनांक 16.09.2023 को कुछ चोरों द्वारा उसकी फैक्ट्री में 500 किलोग्राम माल एवं दिनांक 24.09.2023 की रात को 500 किलोग्राम माल फिर से चोरी किया गया है। उक्त रिपोर्ट पर से थाना हजीरा पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 549/2023 धारा 457,380 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उनकी तलाश प्रारंभ कर दी गई।

जप्त मशरूकाः- एल्यूमिनियम की 403 किलो सिल्लियां कीमती लगभग 03 लाख रुपये ।

सराहनीय भूमिकाः- उक्त शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी हजीरा निरी0 तिमेश छारी, उनि0 अशोक सिंह तोमर, सउनि गजेंद्र गुर्जर, प्र.आर0 सुरेन्द्र कुशवाह, आर0 अरुण लोधी, लवकुश यादव, करन चौरसिया की भूमिका रही है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478